डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 193 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 22 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

देश में एम्स की संख्या 7 से 23 पर पहुंची और मेडिकल कॉलेज दोगुने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है। शाह बेंगलुरु स्थित अदिचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाए, फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की, योग दिवस मनाने की परंपरा शुरू की और मिशन इंद्रधनुष के तहत मुफ्त टीकाकरण अभियान चलाया। 'पोषण अभियान' से माताओं और बच्चों के पोषण की चिंता की गई, 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया गया और प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

2014 तक 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 780

उन्होंने कहा कि 2014 में देश में केवल 7 एम्स थे, जो अब बढ़कर 23 हो गए हैं। पहले जहां देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या 780 हो गई है। एमबीबीएस की सीटें भी 1,18,000 तक पहुंच गई हैं। अमित शाह ने अदिचुंचनगिरी मठ की भी सराहना की और कहा कि इस संस्था ने अनेक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अध्यात्म और निःस्वार्थ सेवा से जोड़ा है।

केंद्र की योजनाओं का किया बखान

बेंगलुरु स्थित अदिचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में शाह ने कहा

पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000

गृह मंत्री ने यह भी बताया कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000 हो गई हैं। यानी हर साल देश में 1,18,000 एमबीबीएस डॉक्टर और 74,000 स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना और आदिचुंचनगिरी मठ के निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी भी मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया

शाह गुरुवार शाम को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से भी मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बेंगलुरु में वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को इलाज की सहायता दी

शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है। सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार करवाया है।

मोदी सरकार ने गरीबों के जीवन में किया बदलाव

शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक नागरिक को मां के गर्भ में जन्म लेने से लेकर पूर्ण नागरिक बनने तक किसी बीमारी का सामना न करना पड़े और यदि वह बीमार होता है, तो उपचार महंगा न हो।

खबर संक्षेप

एआई प्लेन क्रैश करा दूंगी, डॉक्टर की धमकी

बेंगलुरु। एयर इंडिया की बेंगलुरु से सूरत जा रही फ्लाइट में तब हड़कंप मच गया, जब एक 36 वर्षीय महिला डॉक्टर ने प्लेन क्रैश करने की धमकी पायलट को दे दी। डॉक्टर की पहचान व्यास हिरल मोहनभाई के तौर पर हुई। इन्होंने हंगामा इसिलए मचाया क्योंकि इनका बैग इनके हिसाब से फ्लाइट में नहीं रखा गया था। इसकी रिपोर्ट अब की गई है।

अवध असम एक्सप्रेस से टकराई ट्रॉली,1 की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार में कटिहार बरौनी रेल खंड पर काढागोला और सेमापुर के बीच बरौनी से कटिहार जा रही अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन (15910) और रेलवे ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रॉलीमैन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 रेलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। कई मजदूर गंभीर घायल बताए जा रहे हैं।

सरगुजा में नदी में बही 2 महिलाएं और 2 बच्चे

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक नदी में बाढ़ आ जाने के बाद दो महिलाएं और दो बच्चे बह गए हैं। पुलिस ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने चारों की तलाश शुरू कर दी है।केरजु पुलिस चौकी क्षेत्र में ढोड़ागांव के पास मैनी में गुरुवार शाम सोमारी , बिनावती नागवंशी, 3 वर्षीय आरयस नागवंशी, 8 वर्षीय अनिता बह गए।

अस्पताल में मनसे का हंगामा, 20 पर केस

ठाणे। नवी मुंबई के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर पोस्टमार्टम विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हंगामा करने के मामले में मनसे के 20 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कार्यकर्ताओं का एक समूह 17 जून को वाशी नगर अस्पताल में घुस गया और चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में नारेबाजी की थी।

पीएम मोदी ने सीवान में रैली को संबोधित कर राजद और कांग्रेस पर किया हमला

'पंजे' व 'लालटेन' वालों का मंत्र है- अपने साथ...परिवार का विकास, इनसे सावधान

एजेंसी ▶▶| सीवान

बिहार दौरे पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी राजद और कांग्रेस पर जमकर बरसे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए लालू यादव के राज की याद दिलाई और कहा कि जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था। पीएम मोदी ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे इस विश्वास का कारण बिहार के आप सभी लोगों का सामर्थ्य है। आपने मिलकर बिहार से जंगलराज का सफाया किया है। यहां के हमारे नौजवानों ने तो 20 साल पहले के बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कथाओं में ही सुनी है। उन्हें अंदाजा ही नहीं है कि जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था।

जलापूर्ति, स्वच्छता परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन भी किया

रेल लाइन का किया उद्घाटन

नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई

गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत भी शुरू की

संविधान निर्माण से लेकर देश को दिशा दिखाने में राजेंद्र बाबू की बड़ी भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि सीवान की ये धरती हमारे स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरक स्थली है। ये हमारे लोकतंत्र को, देश को, संविधान को ताकत देने वाली भूमि है। सीवान ने राजेंद्र बाबू जैसी महान संतान देश को दी। संविधान निर्माण से लेकर देश को दिशा दिखाने में राजेंद्र बाबू की बहुत बड़ी भूमिका रही। सीवान ने ब्रज किशोर प्रसाद जैसे महान समाज सुधारक भी देश को दिए।

बिहार के लिए बहुत कुछ करेगा मोदी

उन्होंने कहा कि मेरे बिहारी भाई-बहन कठिन से कठिन परिस्थिति में काम करके दिखा देते हैं। सीएम नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को विकास की पटरी पर वापस लाई है और मैं विश्वास दिलाने आया हूं कि हमने भले बहुत कुछ किया हो। बिहार के लिए बहुत कुछ करेगा मोदी।

6,600 मकानों को किया समर्पित, कुछ चाबियां भी सौंपी

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 400 करोड़ से अधिक की नई वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया› इस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने उत्तर बिहार में 'कनेक्टिविटी' को बढ़ाने पटना-मुजफ्फरपुर व बेतिया से होते हुए गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाई।मरहोरा संयंत्र में निर्मित अत्याधुनिक रेल इंजन को भी हरी झंडी दिखाई। नमामि गंगे परियोजना के तहत 1,800 करोड़ से अधिक लागत के छह सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी।

भुवनेश्वर में रोड शो, परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया

ओडिशा को दी करोड़ों की सौगात

भुवनेश्वर। पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में रोड शो किया। सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने 18,600 करोड़ से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं में पेयजल, सिंचाई, कृषि अवसंरचना, स्वास्थ्य अवसंरचना, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्गों के खंड और एक नई रेलवे लाइन शामिल हैं। राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ बौध के एकीकरण के ऐतिहासिक क्षण पर पीएम मोदी पहली बार जिले में रेल संपर्क बढ़ाने वाली नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी भी दिखाई।

100 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री मोदी ने भुवनेश्वर में राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) प्रणाली के अंतर्गत 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई।

ओडिशा विजन दस्तावेज जारी किया

पीएम ओडिशा विजन दस्तावेज भी जारी किया। यह 2036 के ऐतिहासिक वर्षों पर आधारित है, जब ओडिशा भारत के प्रथम भाषाई राज्य के रूप में 100 वर्ष पूरे करेगा तथा 2047 जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा। वह राज्य की सफल महिलाओं को सम्मानित करने सहित कई अन्य पहलों का हिस्सा भी बनेंगे।

पूर्व केंद्रीय वाणिज्य मंत्री शर्मा का बयान

पीयूष गोयल की टिप्पणी अनुचित और 'मूर्खतापूर्ण'

रॉयल पत्रिका

पूर्व केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की भारत-आसियान व्यापार समझौतों को 'मूर्खतापूर्ण' और आसियान देशों को 'चीन की बी-टीम' करार देने वाली टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। शर्मा ने गोयल के बयान को 'अनुचित, गलत सलाह पर आधारित और दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान देशों के बीच तीन दशकों से अधिक समय से बहुआयामी संबंध हैं, जो पारस्परिक रूप से लाभकारी और महत्वपूर्ण हैं।

हरिभूमि से बातचीत में शर्मा ने कहा, यह संबंध भारत की 'लुक ईस्ट' नीति का अभिन्न हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से जीवंत और भू-रणनीतिक रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ भारत के संबंधों को गहरा और विविध करना है। उन्होंने कहा, भारत की लगातार सरकारों ने इस नीति को आगे बढ़ाया है और संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया है। भारत आसियान+6 (जापान, भारत, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का भी सदस्य है।

गोयल की टिप्पणी अपमानजनक

शर्मा ने गोयल की टिप्पणी को 'गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक' करार देते हुए कहा कि यह भूल जाना गलत है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो 2025 के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि थे।

आसियान के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता और जापान व दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार समझौते निवेश, वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने बनाए गए हैं। ये समझौते भारत के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

आसियान के साथ व्यापार का महत्व

शर्मा ने बताया कि आसियान देशों के साथ व्यापार में आवश्यक आयात शामिल हैं, जैसे इंडोनेशिया से लौह अयस्क और कोयला, मलेशिया और इंडोनेशिया से पाम तेल, ब्रुनेई दारुस्सलाम और मलेशिया से तेल-पेट्रोलियम उत्पाद, और म्यांमार से ढालें।

साझेदारी पर जोर

शर्मा ने कहा कि एक परस्पर जुड़े और परस्पर निर्भर विश्व में साझेदारी ही आगे बढ़ने का रास्ता है, न कि बहिष्कार और अलगाव। उन्होंने वाणिज्य मंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें साझेदार देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि उन्हें अपमानित करते हुए अमेरिका के साथ उसकी शर्तों पर एक गैर-लाभकारी व्यापार समझौते के लिए झुकना चाहिए। बहरहाल, शर्मा ने अपनी टिप्पणी में भारत-आसियान संबंधों के रणनीतिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित किया और पीयूष गोयल से अपनी टिप्पणियों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

कर्नाटक में अल्पसंख्यकों के लिए आवास कोटा 15 प्रतिशत करना अक्षम्य अपराधः भाजपा

वह वोट बैंक की राजनीति के लिए खुश करने में लगी हुई हैः येदियुरप्पा

रॉयल पत्रिका

भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि अल्पसंख्यकों को अत्यधिक लाभ प्रदान करना एक अक्षम्य अपराध है। बेंगलुरू स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय 'जगन्नाथ भवन' में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कर्नाटक सरकार को अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय यह केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए अल्पसंख्यकों को खुश करने में लगी हुई है। हम सभी इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन अल्पसंख्यकों को अत्यधिक लाभ प्रदान करना अक्षम्य अपराध है। कर्नाटक में अल्पसंख्यकों के लिए आवास कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने के कांग्रेस सरकार के फैसले पर कड़ी आलोचना करते हुए येदियुरप्पा ने ये बातें कही।

उन्होंने सरकार से जागने और विकास पर ध्यान केंद्रित करने तथा समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया, राज्य सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है और अधिकांश विकास कार्य ठप हो गए हैं। येदियुरप्पा ने कहा कि स्थिति इतनी विकट हो गई है कि लोगों की समस्याओं को कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा यह सरकार केवल प्रचार पर केंद्रित है और विकास को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि सिंचाई परियोजनाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। सरकार कर्नाटक में कहीं भी एक किलोमीटर सड़क बना कर दिखाए।

कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल के वायरल ऑडियो क्लिप के सवाल का जवाब देते हुए, जिसमें वे कथित तौर पर कह रहे हैं कि आवास योजना के तहत घर पाने के लिए पैसे देने होंगे, येदियुरप्पा ने कहा कि बी.आर. पाटिल ने जो कहा वह 100 प्रतिशत सच है। पैसे दिए बिना कोई काम नहीं होता - यह अब साबित हो गया है। यहां तक कि गरीब लोग जिन्हें घर की जरूरत है, उन्हें भी पैसे देने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

झांझरा भूमिगत खदान और सोनपुर बाजारी ओसीपी में परिचालन की समीक्षा करेंगे

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री रेड्डी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के 2 दिनी दौरे पर

रॉयल पत्रिका

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का दो दिनी दौरा शुरू किया। इस दौरान मंत्री झांझरा भूमिगत खदान और सोनपुर बाजारी ओसीपी में परिचालन की समीक्षा करेंगे, हाल ही में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' की याद में झांझरा में 'सिंदूर पार्क' नामक इको पार्क का उद्घाटन करेंगे और इको पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य समारोह में भाग लेंगे। वे नवनिर्मित महुदंगा पुनर्वास स्थल का भी उद्घाटन करेंगे।

इसके अतिरिक्त, स्थानीय समुदायों को सहायता प्रदान करते हुए, रेड्डी एनसीडब्ल्यूए के दिशानिर्देशों के अनुसार अनुकंपा रोजगार के तहत उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे और आरएन कॉलोनी, सोनपुर बाजारी क्षेत्र, ईसीएल में विकलांग लोगों को ट्राइसाइकिल प्रदान करेंगे। अपने कार्यक्रम के तहत, रेड्डी खनन इकोसिस्टम के हितधारकों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित करेंगे। इसमें कोयला खदान कर्मचारी भी शामिल होंगे, जिन्होंने संगठन के लिए मील के पत्थर हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मंत्री परियोजना प्रभावित लोगों (पीएपी) से मिलने के लिए पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आरएंडआर) स्थलों का भी दौरा करेंगे और असाधारण प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था के बाद नए आवास में शिफ्ट होंगे राहुल गांधी, 5 सुनहरी बाग है नया पता

रॉयल पत्रिका

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने 55वें जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में नए सरकारी आवास, बंगला नंबर 5, सुनहरी बाग रोड, में शिफ्ट हुए तो उनकी सुरक्षा को लेकर कोठी की बाउंड्रीज और इंट्रेंस में कुछ परिवर्तन करने का सुझाव सुरक्षाकर्मियों ने संबंधित विभाग को दिया है। राहुल को जेड प्लस सुरक्षा का घेरा मिला हुआ है। उसी की कसौटी पर सुरक्षा व्यवस्था को कसा जाना है।

सूत्रों ने बताया कि चूंकि सुनहरी बाग में दिनभर हैवी ट्रैफिक लोड होता है इसीलिए सिक्योरिटी को बेहतर रखना सुरक्षाकर्मियों के लिए चुनौती होगा। ये बात अलग है कि इस कोठी में पहले पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री ए नारायणस्वामी रहा करते थे। टाइप आठ का बंगला कैबिनेट रैंक के मंत्रियों के लिए आवंटित होता है। राहुल को भी बतौर विपक्ष के नेता कैबिनेट रैंक का दर्जा प्राप्त है इसीलिए सुनहरी बाग की कोठी आवंटित की गई।

लुटियंस दिल्ली में स्थित सुरक्षा व संसदीय व्यवस्था की दृष्टि से सुनहरी बाग स्ट्रेटजिक लोकेशन पर है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अपेक्षाकृत संवेदनशील क्षेत्र भी है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से चाकचौबंद इंतजाम होने के बाद राहुल गांधी औपचारिक रूप से नये बंगले में शिफ्ट करेंगे।

ये तय है कि आगामी 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से पहले राहुल गांधी पूरी तरह से नये बंगले में शिफ्ट हो जाएंगे। राहुल गांधी अपनी मां, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के साथ 10, जनपथ स्थित आवास में रह रहे थे। वह 2023 में 12, तुगलक लेन वाला सरकारी बंगला खाली करने के बाद 10, जनपथ शिफ्ट हुए थे। सूत्रों ने बताया कि तब तक वास्तु पूजन और गृह प्रवेश का अन्य विधि विधान और सुरक्षा के उपाय सभी साथ साथ चलते रहेंगे।

चुनाव प्रक्रिया के वीडियो डिलीट करने का निर्देश

फुटेज का इस्तेमाल दुर्भाविना और भ्रम फैलाने किया जा रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान के इलेक्ट्रॉनिक डेटा जैसे वीडियो, सीसीटीवी फुटेज आदि को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें। चुनाव आयोग का कहना है कि उनके वीडियो फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना और भ्रम फैलाने के लिए किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि 45 दिन की अवधि के भीतर अदालतों में चुनाव नतीजों को चुनौती नहीं दी जाती है, तो वे 45 दिन के बाद चुनाव प्रक्रिया के सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

अधिकारी चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें: ईसी

चुनाव आयोग ने अधिकारियों को पत्र लिखकर दी जानकारी

चुनाव आयोग ने 30 मई को राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा था कि 'उसने चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई रिकॉर्डिंग उपकरणों - फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी और वेबकास्टिंग के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को रिकॉर्ड करने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि चुनाव संबंधी कानून ऐसी रिकॉर्डिंग को अनिवार्य नहीं करते

याचिका नहीं तो डेटा को नष्ट करें

चुनाव आयोग ने अब राज्य चुनाव प्रमुखों से कहा है कि सीसीटीवी डेटा, वेबकास्टिंग डेटा और विभिन्न चरणों में चुनाव प्रक्रियाओं की फोटोग्राफी को 45 दिनो तक ही सुरक्षित रखा जाएगा। आयोग ने कहा है कि अगर किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की जाती है, तो उक्त डेटा को नष्ट किया जा सकता है।

45 दिन के अंदर दी जा सकेगी फैसले को चुनौती

कोई भी व्यक्ति 45 दिन में उच्च न्यायालय में चुनाव फैसले को चुनौती दे सकता है। दिसंबर में सरकार ने भी सीसीटीवी और वेबकास्टिंग फुटेज, साथ ही उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने चुनाव नियम में बदलाव किया, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेज के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

शिक्षा: सफलता नहीं, जीवन दृष्टि का आधार

आज की दुनिया में शिक्षा को अक्सर केवल एक साधन के रूप में देखा जाता है – बेहतर नौकरी पाने, ज़्यादा पैसे कमाने और सामाजिक दर्जा हासिल करने के लिए। लेकिन क्या शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ़ यही है? क्या डिग्री और परीक्षा में अच्छे अंक ही किसी शिक्षित व्यक्ति की पहचान हैं? यह सोच हमें एक बहुत ही सीमित और भौतिकवादी दृष्टिकोण की ओर ले जाती है। शिक्षा का असली मकसद महज़ सफलता नहीं, बल्कि जीवन को समझने, सामाजिक ज़िम्मेदारी निभाने और एक बेहतर इंसान बनने की दृष्टि विकसित करना होना चाहिए।

सफलता की वर्तमान परिभाषा - आज 'सफलता' का अर्थ ज़्यादातर लोग आर्थिक सम्पन्नता, बड़े पद या प्रसिद्धि से जोड़ते हैं। अभिभावक हों या छात्र, अधिकतर का ध्यान इस पर होता है कि कौन सा विषय ज़्यादा स्कोर दिलवाएगा, कौन सी स्ट्रीम से ज़्यादा पैकेज वाली नौकरी मिलेगी। स्कूल और कोचिंग संस्थान भी अब 'टॉपर पैदा करने की फैक्ट्री' बनते जा रहे हैं। बच्चों की सोच सीमित होती जा रही है। वे रट्टा मारकर परीक्षा पास करना सीखते हैं, लेकिन सोचने, समझने और प्रश्न करने की आदत खो बैठते हैं।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य- वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को जागरूक, संवेदनशील, नैतिक और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है। यह वह प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति समस्या का समाधान खोजने, जीवन में संतुलन बनाने और सही-गलत की पहचान करना सीखता है। गांधीजी ने कहा था — "शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है।" अगर कोई छात्र गणित या विज्ञान में कुशल है, पर उसे अपने आस-पास की सामाजिक समस्याओं की कोई समझ नहीं है, या वह दूसरों के प्रति करुणा नहीं रखता, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी।

डिग्री बनाम दृष्टिकोण- आज लाखों छात्र बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर बेरोज़गार घूम रहे हैं। इसका कारण सिर्फ़ नौकरी की कमी नहीं, बल्कि यह भी है कि शिक्षा ने उन्हें आत्मनिर्भर या जीवन के अन्य विकल्पों के लिए तैयार नहीं किया। वे सिर्फ़ एक पाठ्यक्रम के दायरे में बंधे रहे, जीवन दृष्टि विकसित नहीं कर पाए। एक दृष्टिकोण वाला व्यक्ति चुनौतियों से डरता नहीं, वह असफलता में भी कुछ नया सीखता है। जबकि डिग्रीधारी व्यक्ति अगर नौकरी नहीं मिली तो निराशा में डूब सकता है। शिक्षा व्यक्ति में जिज्ञासा, आत्ममंथन और वैकल्पिक सोच लाए – तभी वह वास्तविक अर्थों में शिक्षित कहलाएगा।

समाज में शिक्षा की भूमिका- शिक्षा सिर्फ़ व्यक्ति का नहीं, समाज का भी निर्माण करती है। एक शिक्षित समाज अधिक जागरूक, ज़िम्मेदार और सहिष्णु होता है। आज जब समाज में असहिष्णुता, जातिवाद, धार्मिक उन्माद और भ्रामक सूचनाओं की बाढ़ देखी जा रही है, तब यह सवाल और भी ज़रूरी हो जाता है कि — क्या हमारी शिक्षा प्रणाली अपने नागरिकों को सोचने और समझने की स्वतंत्रता दे रही है? अगर नहीं, तो हमें शिक्षा की बुनियाद पर पुनः विचार करना होगा। समाज को सिर्फ़ डिग्रीधारी नहीं, बल्कि विचारशील और संवेदनशील नागरिकों की ज़रूरत है।

शिक्षा और रोजगार के बीच संतुलन- यह भी सच है कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का है, और शिक्षा को रोजगार से जोड़ना ज़रूरी है। लेकिन यह रिश्ता एकतरफा नहीं होना चाहिए। शिक्षा केवल रोज़गार पाने का माध्यम न बने, बल्कि रोज़गार देने की सोच भी पैदा करे। इसके लिए छात्रों में उद्यमिता, रचनात्मकता, रिस्क लेने की क्षमता और व्यवहारिक बुद्धि विकसित करनी होगी।

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) इसी दिशा में एक पहल है, जिसमें शिक्षा को कौशल, भाषा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने की बात कही गई है। लेकिन इसे ज़मीन पर उतारने के लिए केवल पाठ्यक्रम बदलने से काम नहीं चलेगा, शिक्षक और अभिभावकों की सोच भी बदलनी होगी।

ऑनलाइन गेमिंग "युवाओं के स्वास्थ्य पर बढ़ता संकट"

ऑनलाइन गेमिंग से युवाओं के स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ रहा है?

आजकल 'PUBG', 'Free Fire', 'Call of Duty', 'Fortnite', और 'Clash of Clans' जैसे गेम्स युवाओं के लिए एक जुनून बन गए हैं। सुबह की शुरुआत और रात की नींद का अंत इन्हीं खेलों के साथ होने लगा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट की आसान उपलब्धता ने ऑनलाइन गेमिंग को घर-घर पहुंचा दिया है। डिजिटल डिवाइसेज़, खासकर स्मार्टफोन, अब बच्चों और किशोरों के हाथों में खिलौने की तरह हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह नया मनोरंजन वाकई में सुरक्षित है? या इसके पीछे एक ऐसा जाल है जो आने वाली पीढ़ी को मानसिक और शारीरिक रूप से खोखला बना रहा है? ऑनलाइन गेमिंग आज युवाओं में खासा लोकप्रिय हो रहा है, परन्तु यह एक लत है, जिसके कारण बच्चों को स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। धीरे-धीरे इसकी लत छोटे बच्चों को भी होने लगी है, इससे उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है, साथ ही बच्चे तनावग्रस्त, चिड़चिड़े और अवसादग्रस्त होते जाते हैं।

बच्चों में बढ़ रहा चिड़चिड़ापन- ऑनलाइन गेमिंग की वजह से युवाओं के स्वास्थ्य पर शारीरिक मानसिक रूप से असर पड़ रहा है लगातार गेमिंग की लत युवाओं में तनाव और चिंता की समस्या बढ़ा रही है हिंसात्मक गेम युवाओं के स्वभाव को आक्रामक कर रहे हैं। उनमें तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। लंबे समय तक स्क्रीन पर नजर रखने की वजह से आंखों में जलन सूखापन और दृष्टि कमजोर होती जा रही है। घंटो एक ही स्थिति में बैठने की वजह से रीड की हड्डी, गर्दन और कंधों में दर्द की समस्या बढ़ रही है। फिजिकल एक्टिविटी ना होने की वजह से मोटापा और कई बीमारियां फैल रही है। बच्चों के अंदर आत्मविश्वास की कमी होने लगी है।

स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ ऑनलाइन गेमिंग- ऑनलाइन गेमिंग, अगर संतुलित और सही तरीके से किया जाए, तो मानसिक और संज्ञानात्मक लाभ प्रदान कर सकता है लेकिन इसके अत्यधिक इस्तेमाल से डिप्रेशन, चिंता, व्यसन, मोटापा और शारीरिक पीड़ा जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह युवाओं के सामाजिक और शैक्षणिक जीवन को भी प्रभावित करता है। गेमिंग समुदायों में टॉक्सिक व्यवहार, घृणास्पद भाषा, हेट स्पीच, और साइबर बुलिंग जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जो खासकर अन्य लैंगिक या अल्पसंख्यक समूहों के लिए मानसिक तनाव का कारण बनते हैं।

तकनीक की दुनिया में अभूतपूर्व प्रगति ने हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ मनोरंजन के साधनों को भी बदल डाला है। पहले जहां खेल मैदानों में होते थे, आज वे मोबाइल और कंप्यूटर की स्क्रीन पर सिमट गए हैं। विशेष रूप से युवा वर्ग में ऑनलाइन गेमिंग की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। लेकिन यह लत बनती जा रही है, और इसके कई दुष्परिणाम युवाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे हैं। इस लेख में हम गहराई से समझने की कोशिश करेंगे कि ऑनलाइन गेमिंग का युवाओं पर क्या प्रभाव पड़ रहा है,

और इससे उबरने के क्या उपाय हो सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

1. डिजिटल लत (Addiction) - ऑनलाइन गेम्स युवाओं में 'डोपामीन रश' उत्पन्न करते हैं, जो उन्हें एक कृत्रिम आनंद की दुनिया में ले जाता है। धीरे-धीरे यह लत में बदल जाता है, और गेमिंग उनकी दिनचर्या पर हावी हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 2018 में 'Gaming Disorder' को एक आधिकारिक मानसिक बीमारी घोषित किया है।

2. तनाव और अवसाद (Stress and Depression)- लगातार हार या अन्य खिलाड़ियों से तुलना करने की प्रवृत्ति के कारण युवा तनाव में आ जाते हैं। कुछ मामलों में यह डिप्रेशन का रूप भी ले सकता है, जहां व्यक्ति अकेलेपन, हीनभावना और आत्मग्लानि से घिर जाता है।

3. आक्रामकता (Aggression)- कई एक्शन और वॉयलेंस-आधारित गेम्स युवाओं के व्यवहार में आक्रामकता ला रहे हैं। वे छोटी बात पर गुस्सा करने लगते हैं और हिंसक प्रवृत्ति अपनाने लगते हैं। यह स्वाभाविक संबंधों और पारिवारिक शांति को प्रभावित करता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

1. दृष्टि की समस्या- घंटों स्क्रीन पर देखने से आंखों में जलन, धुंधलापन और सिरदर्द जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। लंबे समय तक स्क्रीन देखना बच्चों की आंखों की रोशनी कमजोर कर रहा है।

2. नींद की गड़बड़ी (Sleep Disorder)- रात देर तक गेम खेलना युवाओं की नींद के पैटर्न को बिगाड़ रहा है। 'ब्लू लाइट' के प्रभाव के कारण मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर घटता है जिससे नींद आने में दिक्कत होती है।

3. मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता- खेलने की गतिविधियाँ अब स्क्रीन पर होने के कारण युवाओं की शारीरिक सक्रियता घट रही है। नतीजतन, मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही दस्तक दे रही हैं।

4. रीढ़ और मांसपेशियों में दर्द- एक ही मुद्रा में घंटों बैठना रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है। इससे पीठ, गर्दन और कंधों में दर्द की शिकायतें बढ़ रही हैं। लंबी अवधि में यह पोस्टरल डिसऑर्डर में भी बदल सकता है।

अभिभावकों की भूमिका

युवाओं की इस समस्या का हल उनके आसपास के समाज से शुरू होता है, खासकर परिवार से। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों के स्क्रीन टाइम पर निगरानी रखें। खुलकर बातचीत करें और दोस्त जैसा व्यवहार अपनाएं। उन्हें आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। रात में मोबाइल, टैबलेट आदि डिवाइस सीमित करें। डिजिटल डिटॉक्स के अवसर प्रदान करें।

सरकार और समाज की भूमिका

सरकारों और शैक्षणिक संस्थाओं को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। ऑनलाइन गेमिंग पर नियमन: सरकार को ऐसे नियम बनाने चाहिए जो कम उम्र के बच्चों के लिए कुछ गेम्स को प्रतिबंधित करें। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता: छात्रों को डिजिटल स्वास्थ्य, स्क्रीन टाइम प्रबंधन और मानसिक संतुलन के बारे में सिखाया जाना चाहिए। जन-जागरूकता अभियान: टीवी, सोशल मीडिया और रेडियो पर जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

डिजिटल डिटॉक्स – सप्ताह में कम से कम एक दिन बिना स्क्रीन के बिताने की आदत डालें। पारिवारिक समय – घर में मिलकर कुछ घंटे मोबाइल-मुक्त खेल या बातचीत में लगाएं। हॉबीज़ विकसित करें – संगीत, पेंटिंग, किताबें पढ़ना या खेलकूद जैसी रूचियां बच्चों में विकसित करें। काउंसलिंग और थेरेपी – गंभीर मामलों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लें।

मुगल सम्राट हुमायूं ने रखी राजपूत रानी कर्णावती की राखी की लाज

-हिन्दू – मुस्लिम की बातें बेबुनियाद

सन 1527 में खानुआ की लड़ाई मुगलों से लड़ते हुए राणा सांगा गंभीर रूप से घायल हुए, कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। राणा सांगा को मृत्यु के बाद मेवाड़ पर गुजरात के मुस्लिम शासक बहादुर शाह ने आक्रमण किया। आक्रमण की जानकारी पहले से मिलने के कारण राणा सांगा की पत्नी कर्णावती ने मुगल शासक हुमायूं को एक चिट्ठी और राखी भेजी। कर्णावती ने हुमायूं से राखी और बहन का हवाला देते हुए, मेवाड़ और बहन की रक्षा करने की प्रार्थना की। रानी कर्णावती ने राजपूत राणाओं से भी मदद मांगी। परंतु कोई मदद के लिए तैयार ना हुआ। जब कर्णावती ने हुमायूं को चिट्ठी भेजी थी, उस वक्त वो ग्वालियर में था और बंगाल पर आक्रमण की तैयारी कर रहा था। उसने कर्णावती के पत्रवाहक से कहा "अपनी रानी साहिबा से कहिएगा कि वह अपना हौसला बनाए रखें, मैं जल्द ही अपनी सेना लेकर चित्तौड़ पहुंच रहा हूं।" लेकिन जब तक हुमायूं की सेना मेवाड़ पहुंची तब तक बहादुर शाह ने पहले ही आक्रमण कर दिया और रानी कर्णावती ने जौहर करके अपनी जान दे दी। यह खबर सुनकर हुमायूं को बहुत दुख हुआ। हुमायूं ने बहन कर्णावती की राखी की लाज को रखते बहादुर शाह को चित्तौड़ से मार भगाया और चित्तौड़ का सिंहासन कर्णावती और राणा सांगा के बड़े बेटे विक्रमादित्य के हवाले कर दिया। यदि उस समय हिंदू-मुस्लिम होता, तो हुमायूं क्यों दूसरे मुस्लिम शासक से युद्ध लड़ता? और क्यों अपनी हिंदू बहन और राणा सांगा की पत्नी कर्णावती के बेटे को मेवाड़ की गद्दी पर बैठाता। इसलिए कहा जा सकता है कि वर्तमान में हिंदू-मुस्लिम के बीच जो नफरत का बीज बोया जा रहा है यह सिर्फ राजनीति और कुर्सी पाने की लड़ाई है।

परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद अब्दुल हमीद

अब्दुल हमीद मसऊदी (1। जुलाई 1933 -10सितम्बर , 1965) भारतीय सेना की 4 ग्रेनेडियर में एक सिपाही थे जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान खेमकरण सैक्टर के आसल उत्ताड़ में लड़े गए युद्ध में अद्त वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति प्राप्त की जिसके लिए उन्हें मरणोपरान्त भारत का सर्वोच्च सेना पुरस्कार परमवीर चक्र मिला। यह पुरस्कार इस युद्ध, जिसमें वे शहीद हुये, के समाप्त होने के एक सप्ताह से भी पहले 16 सितम्बर 1965 को घोषित हुआ।

शहीद होने से पहले परमवीर अब्दुल हमीद मसऊदी ने मात्र अपनी "गन माउन्टेड जीप" से उस समय अजेय समझे जाने वाले पाकिस्तान के "पैटन टैंकों" को नष्ट किया था।

जीवनी

अब्दुल हमीद का जन्म उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के धामूपुर गाँव में 1 जुलाई 1933 में एक साधारण, मसऊदी (डफाली) परिवार में हुआ था। उनकी माता का नाम सकीना बेगम और पिता का नाम मोहम्मद उस्मान था।

सैन्य सेवा

अब्दुल हमीद मसऊदी 28 दिसम्बर 1954 को भारतीय सेना के ग्रेनेडियर रेजीमेंट में भर्ती हुए। बाद में उनकी तैनाती रेजीमेंट के 4 ग्रेनेडियर बटालियन में हुई जहां उन्होंने अपने सैन्य सेवा काल तक अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने अपनी इस बटालियन के साथ आगरा, अमृतसर, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, नेफा और रामगढ़ में भारतीय सेना को अपनी सेवाएं दीं।

भारत-चीन युद्ध के दौरान अब्दुल हमीद मसऊदी की बटालियन सातवीं इंफैन्ट्री ब्रिगेड का हिस्सा थी जिसने ब्रिगेडियर जॉन दलवी के नेतृत्व में नमका-छू के युद्ध में पीपल्स लिबरेशन आर्मी से लोहा लिया। इस युद्ध में सेकेंड लेफ्टिनेंट जी. वी. पी. राव को मरणोपरांत अद्त शौर्य और वीरता के प्रदर्शन के लिए महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। अब्दुल हमीद मसऊदी के सम्मान से पहले इस बटालियन को भारत की स्वतंत्रता के पश्चात मिलने वाला यह सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार था।

उन्होंने अपने सेवा काल में सैन्य सेवा मेडल, समर सेवा मेडल और रक्षा मेडल से सम्मान प्राप्त किया था।

1965 का युद्ध

भारत में अस्थिरता उत्पन्न करने और शासन-व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह भड़काने की अपनी योजना 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' के तहत पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सीमा में जम्मू-कश्मीर में लगातार घुसपैठ करने की गतिविधियां शुरू कर दीं। 5 से 10 अगस्त 1965 के बीच भारतीय सेना ने भारी तादाद में पाकिस्तानी नागरिकों के घुसपैठ को उजागर किया। पकड़े गए घुसपैठियों से मिले दस्तावेजों के जरिए इस बात के पुख्ता सबूत मिले कि पाकिस्तान ने कश्मीर पर कब्जा करने के लिए गुरिल्ला हमले की योजना बनाई थी। पाकिस्तान अपनी इस योजना को अंजाम देने के लिए 30,000 छापामार हमलावरों को इस खास उद्देश्य के लिए प्रशिक्षित किया था।

8- सितम्बर-1965 की रात में, पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमला करने पर, उस हमले का जवाव देने के लिए भारतीय सेना के जवान उनका मुकाबला करने को खड़े हो गए। वीर अब्दुल हमीद पंजाब के तरनतारन जिले के खेमकरण सेक्टर में सेना की अग्रिम पंक्ति में तैनात थे। पाकिस्तान ने उस समय के अपराजेय माने जाने वाले "अमेरिकन पैटन टैंकों" के के साथ, "खेम करन" सेक्टर के "असल उताड़" गाँव पर हमला कर दिया।

भारतीय सैनिकों के पास न तो टैंक थे और नहीं बड़े हथियार लेकिन उनके पास था भारत माता की रक्षा के लिए लड़ते हुए मर जाने का हौसला। भारतीय सैनिक अपनी साधारण "थ्री नॉट थ्री रायफल" और एल. एम. जी. के साथ पैटन टैंकों का सामना करने लगे। हवलदार अब्दुल हमीद के पास "गन माउनटेड जीप" थी जो पैटन टैंकों के सामने मात्र एक खिलौने के सामान थी।

अब्दुल हमीद ने अपनी जीप में बैठ कर अपनी गन से पैटन टैंकों के कमजोर अंगों पर एकदम सटीक निशाना लगाकर एक -एक कर धवस्त करना प्रारम्भ कर दिया। उनको ऐसा करते देख अन्य सैनकों का भी हौसला बढ़ गया और देखते ही देखते पाकिस्तान फ़ौज में भगदड़ मच गई। अब्दुल हमीद ने अपनी "गन माउनटेड जीप" से सात पाकिस्तानी पैटन टैंकों को नष्ट किया था।

देखते ही देखते भारत का "असल उताड़" गाँव "पाकिस्तानी पैटन टैंकों" की कब्रगाह बन गया। लेकिन भागते हुए पाकिस्तानियों का पीछा करते अब्दुल हमीद की जीप पर एक गोला गिर जाने से वे बुरी तरह से घायल हो गए और अगले दिन 9 सितम्बर को उनका स्वर्गवास हो गया लेकिन उनके शहीद होने की आधिकारिक घोषणा 10 सितम्बर को की गई थी।

इस युद्ध में साधारण "गन माउनटेड जीप" के हाथों हुई "पैटन टैंकों" की बर्बादी को देखते हुए अमेरिका में पैटन टैंकों के डिजाइन को लेकर पुन: समीक्षा करनी पड़ी थी।

लोकप्रिय संस्कृति में

चेतन आनन्द द्वारा निर्मित 1988 के दूरदर्शन धारावाहिक परमवीर चक्र में हवलदार अब्दुल हमीद की भूमिका नसीरुद्दीन शाह ने निभायी।

"महामारी में जीवन रक्षक बनी योग की शक्ति"

भारत की प्राचीन परंपरा योग ने दिया नया जीवन-संस्कार"हर घर योग, हर मन स्वस्थ

कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को भय, असमंजस और अनिश्चितता के घेरे में ला खड़ा किया। जब आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था तक हिल गई, तब भारत की प्राचीन जीवन पद्धति 'योग' ने न केवल लोगों को मानसिक संतुलन देने का काम किया, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर शरीर को भी संबल प्रदान किया। इस संकट काल में योग एक आशा की किरण के रूप में उभरा।

कोरोना महामारी: एक वैश्विक आपदा

साल 2020 में जब COVID-19 ने वैश्विक स्तर पर दस्तक दी, तो किसी को अंदाज़ा नहीं था कि यह महामारी किस हद तक मानव जीवन को प्रभावित करेगी। लाखों लोगों की जान चली गई, करोड़ों संक्रमित हुए और पूरी दुनिया लॉकडाउन के बंधन में आ गई। इस महामारी ने न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानसिक तंत्र को भी गहरा झटका दिया। मानवता ने शारीरिक पीड़ा से अधिक मानसिक पीड़ा झेली। चिंता, भय, अकेलापन, अवसाद, नींद की कमी जैसी समस्याएं आम हो गईं। अस्पतालों की सीमित व्यवस्था और दवाओं की कमी ने लोगों को विकल्पहीन बना दिया। ऐसे कठिन समय में योग एक सहज और सुलभ उपाय बनकर उभरा।

योग: भारत की अमूल्य धरोहर

योग भारत की हजारों साल पुरानी परंपरा का हिस्सा है। योग केवल शारीरिक क्रियाओं का अभ्यास नहीं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है। यह मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाता है और उसके जीवन में स्थिरता लाता है। योग के माध्यम से व्यक्ति न केवल तन की शक्ति प्राप्त करता है, बल्कि मन की स्थिरता, भावनात्मक संतुलन और आत्मिक शांति भी प्राप्त करता है।

कोरोना महामारी के दौरान जब बाहरी जीवन सीमित हो गया, तब योग ने लोगों को अपने भीतर झांकने का अवसर दिया। "घर पर रहो, स्वस्थ रहो" के मंत्र के साथ लाखों लोगों ने योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाया।

महामारी में योग की भूमिका

1. रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि- कोरोना से बचाव के लिए सबसे ज़रूरी चीज़ थी—मजबूत इम्यूनिटी। योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान पद्धतियाँ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती हैं। उदाहरण के लिए: कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाते हैं। सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, वज्रासन आदि रक्त संचार बेहतर करते हैं। योगनिद्रा और ध्यान से तनाव घटता है, जिससे शरीर के हार्मोन संतुलन में रहते हैं।

2. मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा- लॉकडाउन और आइसोलेशन की स्थिति ने लोगों को मानसिक रूप से बेहद परेशान कर दिया था। ऐसे में ध्यान और प्राणायाम ने गहरा

प्रभाव डाला। शांत वातावरण में किया गया ध्यान मन को स्थिरता देता है, और व्यक्ति भय, क्रोध, हताशा जैसी नकारात्मक भावनाओं से मुक्त हो पाता है।

3. डिजिटल योग: घर-घर पहुंचा समाधान- महामारी ने डिजिटल माध्यमों को ज़रूरी बना दिया। योग गुरुओं और संस्थानों ने ऑनलाइन क्लासेज़ शुरू कीं। सोशल मीडिया, यूट्यूब, ऐप्स और वेबिनार के माध्यम से लाखों लोगों ने योग सीखा। यह डिजिटल क्रांति योग को वैश्विक आंदोलन में बदलने का एक प्रमुख कारण बनी।

4. रोगियों की रिकवरी में सहायक- कोविड संक्रमित होने के बाद भी योग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेषकर फेफड़ों को मज़बूत करने वाले प्राणायाम कोविड से उबरने वालों के लिए वरदान साबित हुए। WHO और कई चिकित्सा संस्थाओं ने यह माना कि पोस्ट-कोविड रिकवरी में योग का बड़ा योगदान है।

सरकारी और वैश्विक स्तर पर योग का समर्थन

भारत सरकार ने "21 जून: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस" को महामारी के दौरान और अधिक सक्रियता से मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मंचों से योग की महत्ता को रेखांकित किया। आयुष मंत्रालय ने 'Common Yoga Protocol' जारी कर लोगों को महामारी में योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया। WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) ने भी योग को "समग्र स्वास्थ्य की कुंजी" माना और इसे मानसिक स्वास्थ्य सुधार का प्रभावी उपाय बताया। कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए योग को वैकल्पिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में स्वीकार किया।

जनसामान्य में योग को लेकर बढ़ती जागरूकता

पहले जहां योग केवल कुछ जागरूक लोगों या वृद्धों तक सीमित माना जाता था, वहीं महामारी के बाद यह युवाओं और बच्चों के बीच भी लोकप्रिय हुआ। ऑफिस वर्कर्स, डॉक्टर, पुलिसकर्मी, शिक्षक, विद्यार्थी सभी ने योग को अपनाया। 'वर्क फ्रॉम होम' के तनाव को योग ने काफी हद तक कम किया।

चुनौतियाँ और समाधान

हालांकि महामारी के दौर में योग को व्यापक स्वीकार्यता मिली, फिर भी कुछ चुनौतियाँ भी सामने आईं सही मार्गदर्शन का अभाव: कई लोग योग को बिना प्रशिक्षक के करने लगे जिससे उन्हें लाभ की जगह हानि हुई। ऑनलाइन योग की सीमाएँ: इंटरनेट और उपकरणों की कमी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल योग पहुँच नहीं सका। इन समस्याओं के समाधान के लिए गाँव-गाँव में प्रशिक्षित योग शिक्षकों की नियुक्ति, स्कूल पाठ्यक्रम में योग का समावेश और योग प्रशिक्षण हेतु स्थानीय सेंटरों की स्थापना आवश्यक है।

बीएसएफ के जांबाज हमारी रक्षा में हमेशा तत्पर – भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री का जैसलमेर दौरा - मुख्यमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं। शर्मा शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है।

हमारी बीएसएफ दुनियाभर में अग्रणी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है।

तनोट माता मंदिर की बढ़ेगी भव्यता, बनेगा विश्राम गृह

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है।

वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है।

इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने किए मां तनोट राय के दर्शन

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मां तनोट राय के दर्शन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बीएसएफ के जवान उपस्थित रहे।

तम्बाकू नियंत्रण में राजस्थान अव्वल

-भारत सरकार से मिला बेस्ट परफोरमेंस अवार्ड

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की जा रही हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अर्न्तगत वर्ष 2024-25 में आयोजित गतिविधियों के आधार पर राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए केंद्र सरकार की ओर से राजस्थान को बेस्ट परफोरमेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव वी. हेकली झिमोमी एवं अतिरिक्त उप महानिदेशक, डॉ. एल. स्वास्थिचरण ने यह अवार्ड प्रदान किया। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एसएन धौलपुरिया, एएसपीओ नरेंद्र सिंह, एसपीओ डॉ. जकारिया चौहान ने यह अवार्ड प्राप्त किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में 24 सितम्बर 2024 को टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का शुभारंभ किया गया था। अभियान के तहत ग्राम स्तर तक व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। तम्बाकू नियत्रंण अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रभावी एनफोर्समेंट गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के परिणाम स्वरूप प्रदेशभर में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन हुआ है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान संस्थान के अंतर्गत 14,725 जागरूकता कार्यक्रम, 11,850 आईईसी गतिविधियां, कोटपा 2003 की धारा 4 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारियों के द्वारा 40,232 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ए) के अंतर्गत 4020 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ब) के अंतर्गत 1123 चलान कार्यवाही की गई। साथ ही, तम्बाकू मुक्ति की दिशा में 15,765 व्यक्तियों की काउन्सलिंग तथा 7539 का उपचार किया गया।

जिला प्रभारी मंत्री ने गंभीर नदी पर श्रमदान किया —आमजन से जल स्रोतों की साफ सफाई करने की कि अपील

-जल स्रोतों की नियमित सफाई से जल संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा - जिला प्रभारी मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)| गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को गंभीर नदी के तट पर पहुँचकर श्रमदान किया।

श्रमदान कर आमजन से अपील की कि कि वे अपने आसपास स्थित नदी, नाले, पोखर, नहर, बावड़ी और तालाब जैसे पारंपरिक जल स्रोतों की स्वेच्छा से सफाई करते रहें| जिससे वर्षा जल का संचय सुचारु रूप से हो सके और स्थानीय भू-जल स्तर में वृद्धि संभव हो।

ताकि आने वाले समय में जिलेवासियों को किसी भी प्रकार के जलसंकट का सामना नहीं करना पड़े| उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी एवं कर्मचारी गंभीर नदी सहित अन्य जल स्रोतों की सफाई कार्य में सक्रिय रूप से भाग लें, ताकि स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों की नियमित सफाई से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भविष्य में जल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं जिला प्रभारी सचिव सुबीर कुमार ने भी श्रमदान किया|

प्रभारी सचिव ने कहा कि श्रमदान के इस कार्यक्रम के माध्यम से एक सामाजिक संदेश दिया गया| जन सहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण के अभियान को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कि मंशानुरूप जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है| जिससे इसके सार्थक परिणाम मिल सकें। आयोजन में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों व युवाओं ने भी भाग लिया और जल स्रोतों की महत्ता को समझते हुए सफाई में योगदान दिया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमना राम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवचरण मीणा, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक अरविंद, पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता पी.सी. मीणा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. गंगासहाय मीणा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक धर्मेंद्र कुमार मीणा सहित अन्य कर्मचारी, अधिकारी, युवा संगठन और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना का क्रियान्वयन हो सुनिश्चित

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने चिकित्सा अधिकारियों को दिये निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा की गई।

मौसमी बीमारियों की समीक्षा: जिला कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। आईएचआईपी पोर्टल पर एंट्री के लिए निर्देशित किया गया। कोविड से बचाव व रोकथाम के निर्देश दिए गए।

एमएनडीवाई और एमएनजेवाई की समीक्षा: मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना (एमएनडीवाई) और मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना (एमएनजेवाई) की समीक्षा की गई और इन योजनाओं के तहत मिलने वाली दवाओं और जांचों की गुणवत्ता में सुधार करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा: मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई और अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान कार्ड इ-केवाईसी व वितरण संबंधित निर्देश दिए और वय वंदन योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का पंजीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी 24 जून से प्रारंभ हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय सम्बल पखवाड़े में की जाने वाली गतिविधियों संबंधित निर्देश दिए।

एनसीडी कार्यक्रम की समीक्षा: गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के नियंत्रण और प्रबंधन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और छूटे हुए लाभार्थियों की स्क्रीनिंग करने व आभा आईडी बनाने के निर्देश दिए गए।

टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा: टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की गई और अधिक से अधिक बच्चों और गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।

एएनसी, पीएनसी एवं प्रसव की रिपोर्ट और लाइनलिस्ट की समीक्षा: प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), प्रसव पश्चात जांच (पीएनसी) और प्रसव सेवाओं की समीक्षा की गई और इन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के निर्देश दिए गए। लाडो प्रोत्साहन योजना व जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को समय पर भुगतान के निर्देश दिए।

मॉ वाउचर योजना की समीक्षा: मॉ वाउचर योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा की गई और इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई और इस कार्यक्रम में अधिक प्रभावी कार्य करने निर्देश दिए गए।

पीसीपीएनडीटी कार्यक्रम की समीक्षा: पीसीपीएनडीटी कार्यक्रम के तहत भ्रूण लिंग जांच की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

बारिश के मौसम में संस्थानों के रखरखाव, साफ सफाई, सोलर सिस्टम लगाए जाने व चिकित्सा सुविधाओं सुदृढ़ किए जाने के निर्देश दिए।

डीटीएफआई बैठक में जिले के सम्पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने अभियान में अपेक्षित गति लाने के निर्देश दिए।

आरयूआईडीपी में मनाया गया 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

-परियोजना निदेशक पीयूष सामरिया सहित 100 से अधिक इंजीनियर्स, कंसल्टेंट्स और स्टाफ ने किया योग

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के मुख्यालय जयपुर में 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। परियोजना निदेशक पीयूष सामरिया सहित करीब 100 से अधिक इंजीनियर्स, कंसल्टेंट्स और स्टाफ ने योगाभ्यास किया। योग गुरू ओ.पी.शर्मा और सुनीता शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को योग के लाभ बताते हुये विभिन्न योगासन कराये। उन्होंने कहा कि योग के द्वारा मन और शरीर एकाग्रचित होता है, यह शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने के लिए जरूरी और निरोगी काया के लिये बहुत आवश्यक है। योगगुरू शर्मा ने सभी को योग को अपने जीवन में अपनाने की शपथ भी दिलाई।

हर साल 21 जून का दिन पूरे विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को योग के लाभों के प्रति जागरूक करना है। इस दिन भारत समेत दुनिया भर में लोग सामूहिक रूप से योगाभ्यास करते है। इस साल यानी 2025 के अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है- 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' यानी "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग"। इस साल की थीम बताती है की हमारी सेहत और धरती की सेहत एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करता है। योग न केवल व्यायाम है, बल्कि एक जीवनशैली है। योग अपनाकर हम स्वस्थ, शांत और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। तनाव से कोसों दूर रह सकते हैं।

आरयूआईडीपी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त परियोजना निदेशक डी.के. मीना, वित्तीय सलाहकार जिज्ञासा गौड़, अतिरिक्त मुख्य अभियंता के.के. नाटाणी, उप-परियोजना निदेशक (प्रशासन एवं तकनीकी) कपिल गुप्ता सहित पी.एम.यू. के इंजीनियर्स और सलाहकारी फर्म के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस- योग केवल व्यायाम नहीं,स्वस्थ जीवन जीने की एक कला

-गुहा एचसीएम रीपा में अधिकारियों और प्रशिक्षुओं ने योगाभ्यास कर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" की भावना के साथ, 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (OTS) में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा ने दीप प्रज्वलन कर की। अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों द्वारा योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योग दिवस पर दिए गए संदेश का लाइव प्रसारण भी किया गया, जिसने सभी प्रतिभागियों को योग के लिये प्रेरित किया।

गुहा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला है। हर वर्ष की भांति इस बार भी एचसीएम रीपा परिवार ने योग के मूल मंत्र – शरीर, मन, मनुष्य और प्रकृति की एकता – को केंद्र में रखते हुए योगाभ्यास किया है । उन्होंने सभी से योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील भी की ।

कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के तहत योगाचार्य निशा वी. सिंह द्वारा विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, संतुलन एवं आत्मिक शांति की भावना के साथ सहभागिता की गई।

सेवार्थ फाउंडेशन द्वारा बालिकाओं को करवाया योग अभ्यास

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका) । अंतराष्ट्रीय योग दिवस पे बालिकाओं को योग अभ्यास करवाया गया। संस्था प्रभारी किशोर सिंह द्वारा ये अभ्यास करवाया गया उनका कहना है कि योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है, यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

नियमित योग अभ्यास से तनाव कम होता है, मन शांत होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। योग बालिकाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। योग बालिकाओं को स्वस्थ, मजबूत और आत्मविश्वास से भरपूर बनाता है।

योग बालिकाओं को स्वस्थ शरीर, लचीलापन, मांसपेशियों की ताकत और बेहतर मुद्रा प्राप्त करने में मदद करता है। योग तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में मदद करता है।

योग आत्म-सम्मान और भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देता है। योग बालिकाओं को बेहतर एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है, जो पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में सहायक होता है। योग बालिकाओं को बेहतर नींद प्राप्त करने में मदद करता है, जिससे वे तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करती हैं। योग हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, जो मासिक धर्म चक्र और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

योग कक्षाएं बालिकाओं को सामाजिक कौशल विकसित करने और दूसरों के साथ बातचीत करने में मदद करती हैं।

बालिकाओं को नियमित रूप से योग का अभ्यास करना चाहिए, चाहे वह घर पर हो या योग कक्षा में। शुरुआत में, बालिकाओं को सरल आसनों से शुरुआत करनी चाहिए और धीरे-धीरे कठिन आसनों की ओर बढ़ना चाहिए।

योग बालिकाओं के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है जो उन्हें स्वस्थ, खुश और सशक्त बनाने में मदद करता है।

बालिकाओं में प्रियांशी राठौड़, नेहा, पूजा, गीता, आकांशा, पार्वती, बीना एवं अन्य बालिकाएं उपस्थित रही।

केंद्र सरकार ने राजस्थान को दी बंपर सौगात

-14 हजार 811 करोड़ रुपए से बिछेगा सड़कों का जाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया। केंद्र सरकार ने वार्षिक एक्शन प्लान 2025-26 के तहत राजस्थान को सड़क उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 14 हजार 811 करोड़ रुपए की बड़ी सौगात दी है। इसके लिए राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है। यह बजट राजस्थान की अधोसंरचना को नई दिशा और रफ्तार देगा। आने वाले समय में गांव-गांव तक पक्की और चौड़ी सड़कों का जाल बिछेगा, जिससे विकास और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह फंड राज्य के प्रमुख मार्गों, ग्रामीण संपर्क सड़कों, औद्योगिक कॉरिडोर और यातायात दबाव वाले इलाकों के उन्नयन में उपयोग होगा, जिससे परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मोदी का 'विकसित भारत' का सपना तभी साकार होगा जब देश के हर कोने तक बेहतर सड़क संपर्क होगा और राजस्थान इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के आग्रह पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जोधपुर लोकसभा क्षेत्र में दो प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 120.19 करोड़ के प्रस्तावों को स्वीकृति दी थी। इस पर केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया था।

राज्यपाल बागडे ने योग कर स्वस्थ जीवन जीने का दिया संदेश

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्वयं योग क्रियाएं कर समृद्ध एवं स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। ।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" कार्यक्रम में राज्यपाल बागडे ने आरंभ में आमजन को योग करने की प्रतिज्ञा भी दिलवाई।

इससे पहले समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संबोधन का सीधा प्रसारण हुआ।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, युवा मामलात एवं खेल राज्य मंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई, लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायक गोपाल शर्मा, महापौर जयपुर नगर निगम ग्रेटर सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी योगाभ्यास किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जैसलमेर में रेतीले धोरों पर होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के साथ करेंगे योग

जैसलमेर,(रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम जैसलमेरमें खुड़ी केरेतीले धोरों पर आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए आमजन के साथ योगाभ्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री की अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुभकामनाएं—

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि योग हमारी संस्कृति एवं परम्परा की अमूल्य विरासत है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आरंभ करने का आह्वान किया था, इसके परिणामस्वरुप 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है।

शर्मा ने कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक रूप से व्यक्ति को स्वस्थ रखता है तथा यह व्यक्ति के निरोग रहने की उत्तम साधना है। इससे जीवन में अनुशासन, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने आमजन से मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लें तथा स्वस्थ, समृद्ध व विकसित राजस्थान' के निर्माण में सहभागी बनें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजनों को समाज में सम्मान दिलाने की दिशा में बदली सोच

-केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री -दिव्यांगजनों की जीवन-यात्रा को आगे बढ़ाने वाला सहायता शिविर

जोधपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन जोधपुर, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से मोटर मर्चेंट एसोसिएशन हॉल में दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं विधवा महिलाओं के लिये एक विशाल बहुद्देशीय सहायता शिविर आयोजित किया।

शिविर का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के द्वारा किया गया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में 'दिव्यांग' शब्द को अपनाकर न केवल भाषा को संवेदनशील बनाया, बल्कि दृष्टिकोण में भी सम्मान और करुणा का संचार किया। आज समाज, सरकार और उद्योग जगत मिलकर इस विचार को धरातल पर उतार रहे हैं।" इस अवसर पर उन्होंने उपस्थितजन को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई।

शेखावत ने इंडियन ऑयल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी की यह पहल कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का एक आदर्श उदाहरण है, जो सेवा और सामाजिक समावेश का संदेश देती है। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाना और सरकारी योजनाओं की सुलभता सुनिश्चित करना था। आयोजन सेवा, समर्पण और सामाजिक न्याय की भावना को समर्पित रहा। इस दौरान वृद्धजनों, विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण, स्वास्थ्य सेवाएं तथा पेंशन संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शिविर में दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक ट्रायसाइकिल, सामान्य ट्रायसाइकिल एवं व्हीलचेयर का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, राजेंद्र पालीवाल, आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक मनोज गुप्ता तथा उपमहापौर किशन लड्ढा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

आईओसीएल की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अन्तर्गत पूर्व-चयनित दिव्यांगजन को इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल, सामान्य ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, सुगम्य केन, कान की मशीन, सी.पी. चेयर, कहुनी बैसाखी, वॉकर, चेयर-युक्त छड़ी एवं बैसाखी सहित कई सहायक उपकरण निशुल्क प्रदान किये गये। उपकरणों के निर्माण व क्रियान्वयन में एलिम्को ने तकनीकी भागीदारी निभाई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान 'वय वंदना' कार्ड बनाए तथा दिव्यांग एवं वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें बी.पी., शुगर, पल्स व ऑक्सीजन स्तर की जाँच शामिल रही। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने वृद्ध, विधवा तथा दिव्यांग पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन भी मौके पर सम्पन्न कराया।

नगरीय विकास मंत्री ने किया आनासागर झील का निरीक्षण

-आनासागर को बनाया जाएगा स्वच्छ एवं सुंदर

अजमेर,(रॉयल पत्रिका)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शुक्रवार को अजमेर में आनासागर झील का निरीक्षण कर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत झील में त्रिदिवसीय श्रमदान में किए गए सफाई कार्य देखे एवं अभियान में किए गए अन्य स्वच्छता कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

मंत्री खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परंपरागत जल स्रोतों के पुनरुद्धार एवं संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आनासागर झील पर हाल ही में हुए श्रमदान एवं सफाई कार्यों का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने कहा कि झील में सिल्ट की मात्रा अधिक होने की जानकारी मिली है। इसकी डिसिल्टिंग आवश्यक है। इसके लिए बड़ी मशीनरी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इससे गाद की सफाई प्रभावी ढंग से हो सकेगी। उन्होंने कहा कि झील में कुछ नाले बिना उपचारित जल के साथ सीधे प्रवेश कर रहे हैं। वे जल की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इस विषय में नगर निगम के अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए गए कि इन नालों के जल को ट्रीटमेंट के बाद ही झील में प्रवाहित किया जाए। इसके लिए उपयुक्त तंत्र की स्थापना की जाएगी।

मंत्री खर्रा ने कहा कि अतीत में झील पर जलकुंभी का भारी प्रकोप रहा है। सबके संयुक्त प्रयासों से झील को जलकुंभी मुक्त किया गया है। अब लक्ष्य झील को पूरी तरह स्वच्छ, सुंदर एवं संरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि अजमेर की जलापूर्ति में योगदान देने वाले सभी पारंपरिक जल स्रोतों को उनके मूल स्वरूप में लाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है और इस दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को झील की नियमित निगरानी, साफ सफाई और जनसहभागिता से संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर के गडीसर में पूजा-अर्चना कर अभियान का किया समापन

-'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान का समापन कार्यक्रम

जैसलमेर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेशभर में 5 से 20 जून तक आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जैसलमेर में प्राचीन गडीसर झील का पूजन व गंगा आरती कर अभियान का विधिवत समापन किया।

शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से पूजा अर्चना की और गडीसर झील का जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान झील के तट पर बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने सामूहिक गंगा आरती में शामिल होकर जल संरक्षण की प्रतिबद्धता जताई।

उल्लेखनीय है कि जलस्रोतों को सहेजने एवं संवारने के उद्देश्य के साथ विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अनूठे संयोग के अवसर पर प्रदेशभर में 'वन्दे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की शुरूआत की गई थी। 5 जून से 20 जून तक इस अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों पर पूजन एवं साफ-सफाई, जल संचय संरचनाओं के निर्माण, पूर्ण कार्यों का अवलोकन-लोकार्पण एवं श्रमदान की गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित की गई। इसी तरह जनजागरूकता के लिए ग्राम सभाएं, प्रभात फेरी, कलश यात्रा एवं चौपाल भी आयोजित की गईं।

इसके अलावा मीडिया कॉन्फ्रेंस एवं भ्रमण कार्यक्रम सेमिनार आयोजित किए गए।

इस अवसर पर सांसद राजेंद्र सिंह गहलोत, विधायकगण छोटू सिंह भाटी और महंत प्रतापपुरी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आम जन मौजूद रहे।

शाहाबाद ब्लॉक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य आयोजन

-संभागीय आयुक्त ने दिलाई योग शपथ

शाहाबाद/बारां, (रॉयल पत्रिका)। शाहाबाद ब्लॉक में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की थीम पर उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उपस्थित जनसमूह को योग शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने प्रातः कालीन बेला में सामूहिक योगाभ्यास किया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल माध्यम से देश को संबोधित संदेश को भी देखा और सुना। संभागीय आयुक्त शेखावत ने अपने संबोधन में योग को मानव जीवन के लिए आवश्यक बताते हुए इसे जीवनशैली का अंग बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर एसडीएम मुकेश कुमार मीणा, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय प्रशासन और आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

योग दिवस के आयोजन को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

बिरला ने दिए सभी विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश

-जन आंदोलन से पूरा होगा 11 लाख पौधारोपण का लक्ष्य

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। शहर को हराभरा, स्वच्छ और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने के लिए एक बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान की योजना तैयार की जा रही है। शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में कोटा में जिला प्रशासन, नगर निगम, कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) और वन विभाग के अधिकारियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पर्यावरणीय संरक्षण, मानसून सीजन की तैयारी और जन सहभागिता के साथ बड़े स्तर पर हरियाली बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना पर मंथन हुआ।

बैठक में स्पीकर बिरला ने अधिकारियों को कोटा शहर और आसपास के क्षेत्रों में आगामी मानसून सीजन के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 11 लाख पौधारोपण की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण जैसे अभियानों की सफलता विभागीय समन्वय और सामाजिक सहभागिता पर निर्भर करती है, पौधारोपण जनआंदोलन का रूप लेगा तभी हम इस लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करने और कोटा वासियों, स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठनों को भी जोड़ने के निर्देश दिए।

मॉनिटरिंग के लिए तकनीकी का उपयोग हो—

बिरला ने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता न होकर एक सार्थक और सतत अभियान हो, जिसकी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए। पौधों की देखरेख और उनकी स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए तकनीक का उपयोग किया जाए। प्रत्येक पौधे का डेटा डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किया जाएगा, ताकि उसकी वृद्धि और स्थिति की समीक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े चिन्हित क्षेत्र में पौधारोपण किया जाता है, तो वहां ट्यूबवेल की व्यवस्था कर ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से पौधों को पानी देने की व्यवस्था की जाए। इससे पौधे सूखेंगे नहीं और उनकी सर्वाइवल रेट भी बढ़ेगी।

औद्योगिक इकाइयों, संस्थाओं को सहभागी बनाएं—

बिरला ने सुझाव दिया कि औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित कर जनसहयोग के माध्यम से पौधारोपण किया जाए और पौधों की सार-संभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं को सौंपी जाए। इस कार्य में स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए, ताकि यह अभियान सामाजिक दायित्व और उत्तरदायित्व की भावना से संचालित हो सके।

किसानों को होगा नि:शुल्क फलदार पौधों का वितरण—

स्पीकर बिरला ने कहा कि शहर के साथ ग्रामीण अंचल में भी हरियाली बढ़े इसके लिए किसानों को नि:शुल्क फलदार पौधे वितरित किए जाएंगे, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से भी लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित कर कोटा को एक हरित और स्वच्छ शहर बनाना है। इसके लिए हम सबको लक्ष्य आधारित, योजनाबद्ध और सामूहिक प्रयास करने होंगे।

शहरी विकास की योजनाओं पर चर्चा—

बैठक में बिरला ने केडीए और नगर निगम द्वारा प्रस्तावित विभिन्न शहरी विकास योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने किशोर सागर तालाब, चंबल गार्डन, दशहरा मैदान, संविधान पार्क तथा स्पोर्ट्स सिटी से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति पर फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में अभी भी ऐसे अनेक स्थान हैं जहां जलभराव की समस्या बनी हुई है। इन क्षेत्रों को प्राथमिकता से चिन्हित कर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को परेशानी न हो। इसके साथ ही बिरला ने श्मशान विकास से जुड़े कार्यों को गति देने और समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अगली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए करें जल संरक्षित

अजमेर ,(रॉयल पत्रिका)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शुक्रवार को अजमेर जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक ली। इसमें अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए जल को संरक्षित करने की आवश्यकता बताई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने अभियान के दौरान किए गए कार्यों से अवगत कराया।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जन भागीदारी की दृष्टि से अन्य अभियानों से अलग है। इसकी सफलता जन भागीदारी पर ही निर्भर है। जल संरक्षण का यह अभियान लगातार जारी रहना चाहिए। जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए जल संरक्षण एवं पौधारोपण आवश्यक है। पृथ्वी पर उपलब्ध पेयजल के रूप में जल की मात्रा में लगातार कमी हो रही है। प्रकृति से खिलवाड़ के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसे में जल संरक्षण ही एक मात्र उपाय है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हरियाळो राजस्थान में भी एक पेड़ मां के नाम लगवाया। प्रतिवर्ष लगाए जाने वाले इन पेड़ों की देखभाल भी मातृत्व भाव के साथ करनी चाहिए। इनका वृक्ष बनने तक संरक्षण करें। अबोध शिशु की सुरक्षा तथा पोषण का ध्यान रखकर जिस प्रकार मां अपना कर्तव्य निभाती है, उसी प्रकार हमें भी पौधे के वृक्ष बनने तक सुरक्षा और देखभाल करने का दायित्व निभाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्व में लगाए गए पेड़ों की जीवितता बढ़ाएं। जीवित नहीं बचे पेड़ों के स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं। इन नए लगाए पौधों की संख्या इस वर्ष के लक्ष्यों में शामिल नहीं करें। इन्हें वृक्ष के रूप में फलीभूत करने का लक्ष्य लेकर कार्य करें। इस बारे में जागरूकता भी पैदा की जाए। इसी गति से पौधे लगाकर वृक्ष बनाने से आगामी 6-7 वर्षों में प्रकृति में सामंजस्य आ जाएगा।

उन्होंने कहा कि अजमेर के कुंए, बावड़िया एवं आनासागर झील एक विरासत है। इनकी उपयोगिता हमेशा बनी रहेगी। आनासागर झील में जलकुम्भी दोबारा नहीं आए। गंदे नालों का सीधा गिरने से रोकने के लिए कार्य करें। नालों के सुगम प्रवाह में आने वाले अवरोधों को दूर करें। इनकी सफाई का भौतिक सत्यापन भी कराएं। झील में कचरा फेंकने वालों पर सक्षम धाराओं में कार्यवाही करें। जल स्त्रोतों का सीमांकन आवश्यक है। केचमेंट एरिया को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए कार्यवाही की जाए। इस अभियान को 20 जून को समाप्त नहीं समझा जाए। प्रकृति के मूल स्वरूप को वापस लाने के लिए हमेशा कार्य करते रहें।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त नित्या के., नगर निगम आयुक्त देशल दान, अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं ज्योति ककवानी उपस्थित रहे।

जीव को ब्रह्म तथा मानव को महामानव बनाता है योग-गीता नूनिया

-झुंझुनूं एकेडमी के हजारों विद्यार्थियों एवं सभी स्टाफ मेम्बर्स ने किए अनेक योगासन

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनूं एकेडमी विज्डम सिटी प्रांगण में शनिवार को इंटरनेशनल योगा-डे पूर्ण मनोयोग से मनाया गया।

21 जून को संपूर्ण विश्व 'इंटरनेशनल योगा-डे' मना रहा है अतः इस अंतर्राष्ट्रीय मुहिम में विज्डम सिटी के छात्रावास एवं स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं, अध्यापकों को महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी गीता नूनिया ने अनेक प्रकार के योगासन करवाए। उन्होंने सामूहिक रूप से कपालभाति, भ्रामरी, ग्रीवासन, स्कंधासन, कटिसंचालन, त्रिकोणासन, पद्मासन, भुजंगासन, गोमुखासन, सुखासन, वज्रासन, नौकासन, पर्वतासन, हलासन, जैसी यौगिक क्रियाओं से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी ने सामूहिक रूप से योगासन भी किए।

स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, उप-प्राचार्या श्रीमती सरोज सिंह एवं हैडमिस्ट्रैस उमा शर्मा ने गीता नूनिया के साथ-साथ कार्यक्रम में उपस्थित पतंजलि योग समिति की संवाद प्रभारी संतोष चैधरी, संगठन प्रभारी शशि नूनिया, कार्यालय प्रभारी अंजना आबूसरिया एवं नेशनल योगा प्लेयर ममता सैनी का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया।

स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है। योग हमारी मानसिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाता है। वेदों और पुराणों में भी योग को सर्वोपरि बताया गया है। योग एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे कई बीमारियों से बचा जा सकता है। योग के माध्यम से संभावित बीमारियों को होने से पहले ही दूर किया जा सकता है। अतः योग संभावनाओं को संभव बनाता है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने व योग दिवस मनाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज लगभग 192 देश इसे अपना चुके हैं। यूनेस्को ने भी माना है कि योग के माध्यम से सभी तनाव एवं अवसाद दूर होते हैं इसलिए इसे वैश्विक स्तर पर पहुँचाकर हर व्यक्ति को इससे जोड़कर निरोग बनाया जा सकता है।

गीता नूनिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग जीवन को सहज बनाता है। इस दिन से प्रेरणा लेकर हमें इसे अपने जीवन में रोजाना के क्रियाकलाप में शामिल करना चाहिए, प्रतिदिन योग करने से ही हम स्वस्थ होंगे। उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन एवं आत्मा को आपस में मिलाता है, जीव को ब्रह्म तथा मानव को महामानव बनाता है।

कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका अर्चना जांगिड़ ने किया तथा समापन उप-प्राचार्या सरोज सिंह ने धन्यवाद उद्बोधन के साथ किया।

डीईओ के कार्यग्रहण पर रेसा के शिक्षा अधिकारियों ने किया सम्मान

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक व जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक के पदों पर नव पदोन्नत जिला शिक्षा अधिकारियों के पदस्थान उपरांत कार्यग्रहण करने पर शिक्षा अधिकारियों के संगठन रेसा द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया । शनिवार को राजेश मील ने जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के पद पर तथा संतोष सोहू ने जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक के पद पर कार्यग्रहण किया। कार्यग्रहण के अवसर पर राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद जिला इकाई झुंझुनूं के शिक्षा अधिकारियों ने एडीईओ प्रमोद आबूसरिया व रेसा प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन गढ़वाल के साथ कार्यालय पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर राजवंती सरावग, राजकुमार सिहाग, विजयलाल कपूरिया, राधेश्याम सुमन, कुलदीप खरवास, कपिल कुलहरि, प्रकाश चाहर, संजय झाझडिया, नरेंद्र कुमार, संजय सोमरा, सुनील तिलोटिया, प्रदीप मील, रणजीत कुमार, रुचिरा बालीवाल, सुशीला राव, उर्मिला, अनुराधा व अन्य

प्रधानाचार्यों ने दोनों जिला शिक्षा अधिकारियों का स्वागत किया।

केडीएम की भारत का चार्जर महाकुंभ पहल के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने

'ज़ी भारत की उड़ान' अवॉर्ड से सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी। भारत में लाइफ़स्टाइल और मोबाइल एक्सेसरीज़ के प्रमुख ब्रांड, केडीएम को भारत का चार्जर महाकुंभ पहल के लिए ज़ी भारत की उड़ान अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ज़ी भारत के कार्यक्रम भारत की उड़ान में माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने केडीएम के संस्थापक, श्री एन. डी. माली को यह अवॉर्ड दिया।

इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, केडीएम के संस्थापक,ी एन. डी. माली ने कहा, माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी जी के हाथों 'ज़ी भारत की उड़ान' अवॉर्ड पाना मेरे लिए बड़े सम्मान और गौरव की बात है, जिससे मुझे भारत का चार्जर कैंपेन को आगे बढ़ाने के

लिए जबरदस्त जोश, प्रेरणा और हौसला मिल रहा है। भारत का चार्जर पहल सचमुच इनोवेटिव सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है। आज के दौर में मोबाइल फोन विकास के साधन बन गए हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। इस अवॉर्ड से हमें केडीएम भारत का चार्जर पहल ज़रिये मोबाइल और अर्थव्यवस्था, दोनों को चार्ज करने की अपनी कोशिशों को जारी रखने का हौसला मिला है। इस सम्मान से जाहिर होता है कि, केडीएम ने महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 1080 मोबाइल चार्जिंग पॉइंट की व्यवस्था करके इस आयोजन को सफल बनाने में काफी अहम योगदान दिया।

बजाज आलियांज़ पेश करता है आपके लिए - खास मध्य प्रदेश के वासियों के लिए बनाया एक हेल्थ इंश्योरेंस

भोपाल। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी आपके लिए नाम से एक नया हेल्थ प्लान लेकर आई है. यह मध्य प्रदेश के लोगों की खास स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अग्रणी हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट है. आपके लिए – बस एक हेल्थ प्लान नहीं है, बल्कि मध्य प्रदेश के लोगों से किया गया एक वादा है, जो राज्य की विशेष मेडिकल स्थितियों के अनुसार कवरेज और उच्च क्वालिटी हेल्थकेयर सुनिश्चित करता है. इस बात को समझते हुए कि स्वास्थ्य संबंधी

चुनौतियां, खर्च और उपचार की उपलब्धता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है, बजाज आलियांज ने हर किसी के लिए एक जैसे प्लान की बजाय, पर्सनलाइज्ड कवरेज प्रदान करने के लिए आपके लिए को तैयार किया है. यह प्लान मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए अस्पतालों की स्थिति और किफायत को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि लाभार्थियों को आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा मिल सके.

किफायत और एक्सेसिबिलिटी को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया, आपके लिए विशेष रूप से मध्य प्रदेश के लोगों के लिए कस्टमाइज़ किए गए प्रीमियम सहित व्यापक कवरेज प्रदान करता है. यह पॉलिसी व्यक्तिगत और फ्लोटर दोनों प्रकारों में उपलब्ध है, जो इसे निजी उपयोग एवं परिवारों के लिए एक आदर्श समाधान बनाती है.

ईरान-इज़रायल युद्ध से अडानी को बड़ा नुकसान

एक दिन में डूब गए 10 हज़ार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध का गौतम अडानी पर बड़ा असर पड़ रहा है। उनकी कंपनी अडानी पोर्ट्स के शेयर में पिछले 10 दिनों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं इससे अडानी की नेटवर्थ भी काफी कम हुई है। पिछले 24 घंटे में अडानी की नेटवर्थ में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आई है।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर में पिछले 10 दिनों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई है। इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण ईरान-इजरायल का हमला है। दरअसल, पिछले हफ्ते ईरान ने इजरायल के तटीय शहर हाइफा को निशाना बनाते हुए कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। यहां हाइफा पोर्ट इजरायल का एक बड़ा बंदरगाह है जिसमें गौतम अडानी का अच्छा-खासा निवेश है। अडानी की कंपनी अडानी पोर्ट्स ने जनवरी 2023 में इजरायल के

गैडोट ग्रुप के साथ मिलकर हाइफा पोर्ट की 70 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। यह सौदा करीब 1.18 अरब डॉलर में हुआ था।

क्यों गिर रहे अडानी पोर्ट के शेयर- इजरायल के आयात में हाइफा पोर्ट की 30 फीसदी हिस्सेदारी है। साथ ही हाइफा इजरायल एक बड़ा नौसैनिक अड्डा भी है। हमले में हाइफा पोर्ट को कोई नुकसान नहीं हुआ है और परिचालन सामान्य रूप से चल रहा है। हालांकि निवेशकों को डर है कि अगर ईरान हाइफा पोर्ट पर हमला बोलता है तो इससे पोर्ट को काफी नुकसान हो सकता है। हमले के कारण पोर्ट की व्यावसायिक गतिविधियां रुक सकती है और कंपनी को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान हो सकता है। इसके कारण निवेशक इसके शेयर बेचकर निकल रहे हैं।

कितने गिरे शेयर?

10 जून को अडानी पोर्ट का शेयर 1473.80 रुपये पर बंद हुआ था। इसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। आज यानी शुक्रवार को यह शेयर 1336.80 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान यह 1334.80 रुपये तक गिर गया था। ऐसे में इसमें 10 जून से लेकर अब तक यानी इन 10 दिनों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आ गई है।

अडानी को कितना नुकसान?

शेयरों में गिरावट के चलते अडानी की नेटवर्थ में भी बड़ी कमी आई है। पिछले 24 घंटे में अडानी की नेटवर्थ 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा कम हो गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक पिछले 24 घंटे में अडानी की नेटवर्थ में 1.19 अरब डॉलर (करीब 10310 करोड़ रुपये) की कमी आई है। वह कुल 79.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 20वें सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं।

मारन फैमिली का तकरार आया सामने, सन टीवी में हिस्सेदारी को लेकर बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मारन फैमिली की आपसी लड़ाई अब खुलकर सामने आ गई है। केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके और डीएमके के सांसद दयानिधि मारन ने अपने बड़े भाई कलानिधि मारन को लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में उन्होंने अपने बड़े भाई 'धोखेबाजी' से कंपनी को हड़पने का आरोप लगया है। बता दें, कलानिधि मारन सन टीवी नेटवर्क के सन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन हैं।

पूरा विवाद सन ग्रुप के शेयरों के अलॉटमेंट को लेकर है। सन टीवी नेटवर्क का साइज 24000 करोड़ रुपये का है। सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड के शेयर 599.95 रुपये के लेवल पर खुले थे। कुछ ही देर में यह स्टॉक 3.99 प्रतिशत की गिरावट के बाद 589.05 रुपये तक लुढ़क गया।

क्या चाहते हैं दयानिधि मारन- कलानिधि मारन को भेज गए नोटिस में दयानिधि मारन ने सन टीवी नेटवर्क में सितंबर, 2003 के पहले की शेयरहोल्डिंग स्ट्रक्चर को बहाल करने की मांग की है।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने लॉन्च किया 'फर्टिलिटी सर्कल' - फर्टिलिटी से जुड़ी स्पष्टता और इमोशनल मार्गदर्शन के लिए

भारत की पहली टोल-फ्री सपोर्ट लाइन

भोपाल। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, भारत के तीन प्रमुख फर्टिलिटी नेटवर्क्स में से एक, ने फर्टिलिटी सर्कल (1800 123 1515) लॉन्च किया है - भारत की पहली टोल-फ्री और अनरिकॉर्डेड सपोर्ट लाइन। यह फर्टिलिटी काउंसलिंग सेवा पूरे भारत में अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध है, और जल्द ही इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी शुरू करने की योजना है। यह सेवा उन लोगों के लिए है जो प्रेग्नेंसी की प्लानिंग कर रहे हैं, पेरेंट्स बनने की कोशिश कर रहे हैं, इससे संबंधी ट्रीटमेंट पर विचार कर रहे हैं या फर्टिलिटी समस्याओं से संभंदित मन में सवाल लिए हुए हैं।

फर्टिलिटी सर्कल क्यों ज़रूरी है?

क्योंकि जब बात प्रेग्नेंसी या फर्टिलिटी समस्याओं से जुड़ी होती है, तो लोग अक्सर चुप रह जाते हैं। कई बार उन्हें समझ नहीं आता कि शुरुआत कहां से करें या किससे बात करें। एक आंतरिक सर्वे में पता चला कि इंफर्टिलिटी का सामना कर रहे 90त्न से अधिक लोग भावनात्मक दवाब महसूस करते हैं, लेकिन केवल 29त्न लोग ही समय पर मदद लेते हैं। कई लोग मदद लेने में दो साल से भी अधिक

Birla Fertility & IVF

समय की देरी कर देते हैं, क्योंकि उन्हें शर्म, उलझन या सही जगह की जानकारी नहीं होती। फर्टिलिटी सर्कल, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ की वह पहल है जहाँ पूरी गोपनीयता के साथ, बिना किसी दबाव और जजमेंट के लोगों को फर्टिलिटी से संभंधित सही मागदर्शन मिलेगा। ग्लोबल रिसर्च के अनुसार हर तीन में से एक व्यक्ति फर्टिलिटी समस्याओं के कारण ज़्यादा तनाव, चिंता या डिप्रेशन महसूस करते हैं। भारत में जो लोग फर्टिलिटी ट्रीटमेंट ले रहे हैं, उनमें यह तनाव सामान्य तरीके से गर्भधारण करने वालों के मुकाबले छह से सात गुना ज़्यादा पाया गया है।

इसका प्रभाव इमोशनल स्ट्रेस से कहीं अधिक है, जिसमें आधे से अधिक लोगों ने जीवनस्तर की क्वालिटी में गिरावट रिपोर्ट की है और 38 प्रतिशत लोगों का कहना है कि इलाज के बोझ के कारण उन्होंने नौकरी छोड़ने तक का विचार किया है। अभिषेक अग्रवाल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, ने कहा, हमने फर्टिलिटी सर्कल की शुरुआत की है ताकि लोग बिना डर, दबाव और किसी लागत के अपनी फर्टिलिटी संबंधी सभी समस्याओं और उलझनों पर खुलकर बात कर सकें।

मिरर ने लॉन्च किया थ्राइव

मेनोपॉज़ में प्राकृतिक राहत का नया समाधान

28 असरदार सामग्रियों से तैयार थ्राइव, महिलाओं को मेनोपॉज़ के सफर में आत्मविश्वास

मुंबई, एजेंसी। महिलाओं की मिडलाइफ़ वेलनेस पर फोकस करने वाला ब्रांड मिरर ने अपने नए प्रोडक्ट थ्राइव को लॉन्च किया है – एक विशेष रूप से तैयार किया गया नेचुरल सप्लीमेंट जो मेनोपॉज़ में कदम रख चुकी महिलाओं के लिए बनाया गया है। यह वैज्ञानिक समझ और प्राकृतिक तत्वों के मेल से तैयार किया गया है। इसमें रेड क्लोवर, ब्लैक कोहोश और अश्वगंधा जैसे शक्तिशाली फाइटोएस्ट्रोजन शामिल हैं, जो हार्मोनल असंतुलन, हॉट फ्लैशेज, मूड स्विंग्स जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही हड्डियों की मजबूती, दिल की सेहत और मानसिक संतुलन को भी बेहतर बनाते हैं। मेनोपॉज़ कोई अंत नहीं, बल्कि एक नया और सशक्त अध्याय है, मिरर के फाउंडर और सीईओ संजित शेट्टी ने कहा। थ्राइव सिर्फ राहत नहीं देता, यह महिलाओं को मजबूती, संतुलन और अपने फैसलों पर चलने का

आत्मविश्वास भी देता है।

थ्राइव किस तरह करता है मदद- मेनोपॉज़ के दौरान महिलाओं को कई शारीरिक और मानसिक बदलावों से गुज़रना पड़ता है जैसे गर्माहट के झोंके, मूड में उतार-चढ़ाव, जोड़ों में दर्द, थकान और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत। थ्राइव को इन सभी लक्षणों को ध्यान में रखते हुए 28 शुद्ध और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित सामग्रियों के साथ तैयार किया गया है-

थ्राइव क्यों है अलग?

मेनोपॉज़ के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन (मुख्य रूप से एस्ट्राडियोल) का स्तर तेजी से गिरता है, जिससे उनके पोषण की ज़रूरतें बदल जाती हैं। सामान्य तौर पर मेनोपॉज़ से पहले एस्ट्राडियोल का स्तर 15 से 300 पीजी/एमएल के बीच होता है, जबकि मेनोपॉज़ के बाद यह 20 पीजी/एमएल से नीचे चला जाता है। एस्ट्रोजन की यह गिरावट ही हॉट फ्लैशेज, मूड स्विंग्स, वेजाइनल ड्रायनेस, हड्डियों की कमजोरी और दिल से जुड़ी बीमारियों की मुख्य वजह बनती है। रिसर्च के मुताबिक, मेनोपॉज़ से जुड़े लक्षणों को नियंत्रित करने और हड्डियों की सेहत बनाए रखने के लिए एस्ट्राडियोल का स्तर कम से कम 60-150 पीजी/एमएल होना ज़रूरी है – जो आमतौर पर पोस्ट-मेनोपॉज़ में नहीं होता।

महिलाएं टर्म इंश्योरेंस को अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शीर्ष वित्तीय समाधान मानती हैं

पुणे, एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस ने पिक्सिस ग्लोबल और क्वाल्स.एआई के सहयोग से अपने नवीनतम अध्ययन, बजाज आलियांज़ लाइफ वूमेन टर्म सर्वे (बजाज आलियांज़ लाइफ महिला टर्म सर्वेक्षण) से उल्लेखनीय निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

इस सर्वेक्षण में मेट्रो, टियर-1 और टियर-2 शहरों में 1,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोज़गार वाली महिलाओं को शामिल करते हुए गुणात्मक और मात्रात्मक पद्धतियों का संयोजन किया गया। इसके तहत उनकी शीर्ष वित्तीय प्राथमिकताओं, आपात स्थितियों के लिए तैयारी और दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के दृष्टिकोण का आकलन किया गया। सर्वेक्षण वित्तीय प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर करता है – जिसमें बच्चों का भविष्य, शिक्षा व्यय और स्वास्थ्य शीर्ष चिंताओं के रूप में सामने आते हैं। टर्म इंश्योरेंस महिलाओं के लिए अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पसंदीदा वित्तीय उत्पाद के रूप में उभरा है। 53त्न महिलाओं ने अपने परिवार की बचत को प्रभावित करने वाले अप्रत्याशित स्वास्थ्य खर्चों के बारे में चिंता व्यक्त की, जो स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

एमेज़ॉन इंडिया द्वारा भारत में अपने ऑपरेशंस नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए 2000 करोड़ से अधिक का निवेश किया जाएगा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे सुरक्षित, सबसे तेज़ और सबसे विश्वसनीय ऑपरेशंस नेटवर्क का निर्माण और संचालन करने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत एमेज़ॉनद्वारा 2025 में 2000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है। इस निवेश की मदद से ऑपरेशंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया जाएगा, उसे अपग्रेड किया जाएगा, एसोसिएट्स की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी, कल्याण कार्यक्रम चलाए जाएंगे, तथा इसके फुलफिलमेंट नेटवर्क के लिए नए टूल्स और टेक्नोलॉजी का विकास किया जाएगा। एमेज़ॉन के ऑप्स नेटवर्क के निर्माण के लिए किए जाने वाले निवेशों में यह निवेश सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, जो कंपनी को पूरे भारत में सभी पिन-कोड तक डिलीवरी पहुँचाने में मदद करेगा।

अभिनव सिंह, वीपी - ऑपरेशंस, एमेज़ॉनइंडिया एवं ऑस्ट्रेलिया ने कहा, हम भारत में एक दशक से अधिक समय सेसर्वश्रेष्ठ लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास कर रहे हैं, जो पूरे देश में हमारे ग्राहकों को सुरक्षा, तीव्रता, विस्तार और विश्वसनीयता से डिलीवरी करने में समर्थ बनाता है। यह नया निवेश हमारे फुलफिलमेंट,सॉर्टेशन और डिलीवरी नेटवर्क के ऑपरेशंस का विस्तार करने और उसे अपग्रेड करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

बजाज फ्रीडम 125 **असली राइडर्स. असली बचत. असली असर.**

वो सीएनजी क्रांति जो लोगों की ज़िंदगी बदल रही है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के बड़े शहरों की तेज़ रफ्तार और भीड़भाड़ भरी ज़िंदगी में, जहाँ करोड़ों लोग दो पहियों पर सवार होकर आगे बढ़ते हैं, कमाते हैं और अपने सपनों को जीते हैं, बजाज ऑटो लिमिटेड ने एक ऐसा वाहन तैयार किया है जो खास मकसद से बना है, दमदार परफॉरमन्स देता है और तरक्की को नई रफ्तार देता है। बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी, दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकल, डिलिवरी रायडर्स और गिग इकोनॉमी में काम करने वालों की ज़िंदगी बदल रही है। बेहतरीन माइलेज, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और अफॉर्डेबल कीमत के साथ यह बाइक आज के चुनौतीपूर्ण हालात में राइडर्स के लिए एक समझदारी भरा विकल्प बन गई है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतें अब भी जेब पर भारी पड़ रही हैं और शहरों में रायडर्स रोज़ाना 50 से 250 किलोमीटर तक सफर कर रहे हैं। ऐसे में फ्रीडम 125 का ड्युअल-फ्यूल सिस्टम (सीएनजी + पेट्रोल) गेम

चेंजर साबित हो रहा है। यह बाइक कम ईंधन खर्च में लंबी दूरी तय करने में सक्षम है और शहरी आवागमन को कम उत्सर्जन वाला और पर्यावरण के अनुकूल बनाती है।

असली राइडर्स. असली बचत. असली बदलाव.

फ्रीडम 125 के 54 मालिकों पर किए गए हालिया सर्वे में 45 प्रतिशत राइडर्स ने बताया कि अपनी पुरानी बाइकों के मुकाबले अब वे हर महीने ईंधन पर 50 से 60 प्रतिशत तक की बचत कर रहे हैं। कई लोगों के लिए यह बचत सिर्फ खर्च कम करने का तरीका नहीं, बल्कि सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है। पहले हर महीने पेट्रोल पर 4,000 रुपये या उससे ज्यादा खर्च होता था। फ्रीडम 125 के साथ अब आधा पैसा बच रहा है। अब थोड़ी राहत मिलती है। यह सिर्फ़ एक बाइक नहीं, रोज़ी-रोटी कमाने की मेरी साथी है, ऐसा कहना है पुणे के एक फूड डिलिवरी रायडर का।

हमारा सौर पीपीए लगभग 10 प्रतिशत बिजली लागत को कम करता है: चेतन धात्रक

मुंबई, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध) क्राफ्ट पेपर्स की एक विविध श्रेणी के प्रमुख निर्माता और आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, बांगंगा पेपर मिल्स, डिंडोरी, नासिक में रणनीतिक रूप से स्थित है और यह 10,000 वर्ग मीटर में फैली एक अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई का संचालन करती है। यह इकाई प्रतिदिन 100 मीट्रिक टन से अधिक की स्थापित उत्पादन क्षमता के साथ कार्य करती है और विभिन्न जीएसएम रेंज में कई प्रकार के करगेटेड पेपर्स के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है— जो पेपर बैग्स, पेपर कोन, बोर्ड्स और करगेटेड बॉक्सेस के लिए उपयुक्त हैं।

श्री चेतन धात्रक, जो बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड) के पूर्णकालिक निदेशक हैं, इस विशेष मुलाकात में हमारे साथ हैं। कागज़ उद्योग में गहरी विशेषज्ञता रखने वाले एक अनुभवी पेशेवर के रूप में, श्री धात्रक कंपनी के दैनिक संचालन की निगरानी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसमें उत्पादन क्षमता, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रणनीतिक विकास पहलों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

● **चेतन धात्रक से पूछा गया कि आप क्राफ्ट पेपर बाजार में बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज की स्थिति को कैसे वर्णित करेंगे?** बाणगंगा में, हमने क्राफ्ट पेपर क्षेत्र में एक प्रीमियम और समाधान – उन्मुख निर्माता के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। हम अपनी नासिक स्थित सुविधा से संचालन करते हैं, जहाँ हम विशेष रूप से तैयार किए गए पेपर ग्रेड का उत्पादन करते हैं—जो सिंगल लेयर वेरिएंट से लेकर अत्यधिक विशेषीकृत डबल- लेयर ग्रेड तक होते हैं। इन पेपर्स को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वे उच्च तन्यता शक्ति, नमी और ग्रीस प्रतिरोध, कम गंध, और यहां तक कि रोगाणुरोधी गुण भी प्रदान करें। जो हमें वास्तव में अलग बनाता है, वह है अनुसंधान और विकास तथा कस्टमाइज़ेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता।

यही हमें खाद्य, कृषि और औद्योगिक पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों की कठोर और विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है— जहाँ प्रदर्शन और स्थिरता, दोनों अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

● **आपके व्यवसाय में ग्राहक वफादारी कैसी है?** ग्राहक प्रतिधारण हमारे सफलता के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक है। प्रत्येक वर्ष, लगभग 80-90 प्रतिशत हमारे आदेश लौटते हुए ग्राहकों से आते हैं। यह स्तर हमारे ग्राहकों द्वारा हमारे निरंतर उत्पाद गुणवत्ता, कागज ग्रेड्स में निरंतर सुधार, और विभिन्न उद्योगों की संचालन आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए समाधानों पर विश्वास को दर्शाता है।

● **भारत में क्राफ्ट पेपर की मध्यकालिक मांग परिदृश्य पर आपका क्या दृष्टिकोण है?** मांग की संभावना बहुत आशाजनक है। वर्तमान में, भारत की प्रति व्यक्ति कागज खपत लगभग 6 किलोग्राम है, जबकि चीन की 136 किलोग्राम है। यह महत्वपूर्ण अंतर एक विशाल अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। जब आप बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं, प्लास्टिक पैकेजिंग पर बढ़ते प्रतिबंधों, और सरकार द्वारा नेतृत्वित स्थिरता आदेशों पर विचार करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि कागज आधारित विकल्पों की मांग में तेज वृद्धि होगी। पारंपरिक करगेटेड बॉक्स से लेकर पेपर बैग्स और बोतलों जैसे नए अनुप्रयोगों तक, हम इसे एक दीर्घकालिक विकास की दिशा मानते हैं, और बाणगंगा इसे भुनाने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है।

● **कंपनी इस अपेक्षित वृद्धि को प्राप्त करने के लिए कैसे तैयार हो रही है?** हमने एक व्यापक, बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है। हमारी आरएंडडी टीम निरंतर कागज ग्रेड्स को परिष्कृत कर रही है, विशेष रूप से नमी और ग्रीस प्रतिरोध पर ध्यान केंद्रित कर रही है। स्थिरता के मोर्चे पर, हमने एक सौर ऊर्जा खरीद समझौता लागू किया है और शून्य - तरल उत्सर्जन के साथ आरडीएफ-चालित बॉयलर स्थापित किया है ताकि हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम किया जा सके और ऊर्जा लागत को घटाया जा सके। हम उद्योग आयोजनों में भाग लेकर पेपर बोल्स और बैग्स जैसे उभरते प्रारूपों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं और उर्वरक और ड्रिप इरिगेशन पैकेजिंग जैसे आसन्न बाजारों की खोज कर रहे हैं। संचालन दक्षता बढ़ाने के लिए, हमने एक डबल-वायर पेपर मशीन स्थापित की है जो श्रूपुट को बढ़ाती है जबकि संचालन लागत को कम करती है।

● **बांगंगा को अन्य उद्योग खिलाड़ियों से अलग क्या बनाता है?** हमारे पास कई प्रमुख भेदक तत्व हैं। हमारा डबल - लेयर पेपर उत्पादन की क्षमता सुनिश्चित करता है कि तन्यता शक्ति में महत्वपूर्ण सुधार हो। हम एंटीमाइक्रोबियल और गंध-नियंत्रण उपचार भी लागू करते हैं जो खाद्य और निर्यात कार्टन को ताजगी और गंध-मुक्त बनाए रखते हैं। ऊर्जा के मोर्चे पर, हमने नवीकरणीय स्रोतों को अपनाया है— हमारा सौर पीपीए लगभग 10 प्रतिशत बिजली लागत को कम करता है, और हमारा आरडीएफ बॉयलर और टरबाइन प्रणाली अतिरिक्त 10 प्रतिशत बचत में योगदान करती है। ये उपाय न केवल प्रदर्शन को बढ़ाते हैं बल्कि लागत नेतृत्व भी प्रदान करते हैं।

आज भी इस फिल्म के डर से कांपते हैं लोग, 13 साल बाद भी नहीं हुआ इसका खौफ कम

अगर आप हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं और कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जो वाकई आपकी रातों की नींद उड़ा दे, तो '1920: ईविल रिटर्न्स' आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। यह फिल्म न सिर्फ डराती है, बल्कि अपने रहस्य और रोमांच से दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। आइए जानते हैं इस फिल्म में क्या खास है और क्यों इसे आज भी बेहतरीन हॉरर फिल्मों में गिना जाता है।

13 साल बाद भी नहीं हुआ इसका खौफ कम

आपको बता दें कि '1920: ईविल रिटर्न्स' साल 2012 में रिलीज हुई थी, लेकिन इसकी कहानी हमें 1920 के दशक में ले जाती है, जहां एक पुराना महल, एक रहस्यमयी आत्मा और एक प्रेम कहानी मिलकर एक रोमांचकारी माहौल बनाती है। फिल्म की कहानी एक कवि और एक अनजान लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी आत्मा पर एक भूत का साया है।

मानसिक स्तर पर करता है असर

इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें डरावने दृश्य सिर्फ अचानक दिखने वाले "जंप स्केयर" तक सीमित नहीं हैं। इसका डर मानसिक स्तर पर असर डालता है, जो धीरे-धीरे दिमाग में उतरता जाता है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक, लोकेशन, कैमरा मूवमेंट और एक्टिंग- हर पहलू दर्शकों को असहज कर देता है। सबसे बड़ी हॉरर हिट फिल्मों में से एक '1920: इविल रिटर्न्स' महज 90 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी, लेकिन इसके बावजूद इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 280 करोड़ रुपये की कमाई की थी। यह फिल्म उस समय की सबसे बड़ी हॉरर हिट फिल्मों में से एक मानी जाती है। खास बात यह है कि इस फिल्म को देखने के लिए आपको किसी ओटीटी सब्सक्रिप्शन की जरूरत नहीं है। आप इसे यूट्यूब पर बिल्कुल फ्री में देख सकते हैं, जहां इसे अब तक 110 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। यानी यह फिल्म आज भी लोगों को उतना ही डराती है, जितना पहली बार देखने पर डराती थी।

₹17.5 करोड़ का फ्लैट किराए पर देकर हर महीने मिलेंगे ₹6.50 लाख

-आर माधवन की प्रॉपर्टी से कमाई

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन अब एक्टिंग के साथ-साथ प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट से भी शानदार कमाई कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में मौजूद अपने लग्जरी फ्लैट को किराए पर देकर चर्चा में आ गए हैं। इस डील के जरिए माधवन हर महीने ₹6.50 लाख की मोटी कमाई करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आर माधवन ने यह फ्लैट एक कॉर्पोरेट कंपनी को 2 साल की अवधि के लिए किराए पर दिया है। यह फ्लैट मुंबई के सबसे महंगे और हाई-प्रोफाइल इलाकों में से एक BKC के 'सुनतेक सिग्नेचर आइल' प्रोजेक्ट में है। फ्लैट की बाजार कीमत लगभग ₹17.5 करोड़ बताई जा रही है।

माधवन ने जिस कॉर्पोरेट कंपनी को फ्लैट किराए पर दिया है, उसके साथ हुए एग्रीमेंट के अनुसार, शुरुआती महीने से ही उन्हें ₹6.50 लाख किराया मिलेगा। साथ ही, हर साल किराए में करीब 5% की बढ़ोतरी होगी। इस तरह अगले दो वर्षों में माधवन कुल ₹1.6 करोड़ से अधिक की आय सिर्फ किराए से अर्जित करेंगे।

आर माधवन, जो फिल्मों में अपने सधे हुए अभिनय और शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, अब प्रॉपर्टी सेक्टर में भी समझदारी से कदम बढ़ा रहे हैं। उनका यह इन्वेस्टमेंट न सिर्फ उनकी आर्थिक स्थिरता को मज़बूत करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि सेलिब्रिटीज अब एक्टिंग के अलावा भी आय के वैकल्पिक स्रोतों पर ध्यान दे रहे हैं।

यह कदम न सिर्फ आम निवेशकों को प्रेरित करता है, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र में बढ़ते रुझान की ओर भी इशारा करता है।

शाहरुख खान के बंगले 'मन्नत' पर BMC और फॉरेस्ट विभाग की जांच

-बिना अनुमति दो मंज़िल बढ़ाने का आरोप, अवैध निर्माण का मामला

मुंबई में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के मशहूर बंगले 'मन्नत' को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। इस बार मामला बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका) और फॉरेस्ट विभाग की संयुक्त जांच से जुड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बंगले में नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिली है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि मन्नत की दो अतिरिक्त मंज़िलें अवैध रूप से बनाई जा रही हैं। इस घटनाक्रम ने न केवल स्थानीय नागरिकों का ध्यान खींचा है, बल्कि एक बार फिर मशहूर हस्तियों और प्रशासनिक नियमों के बीच के संबंधों पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। आइए इस पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं।

1. मन्नत: एक परिचय

'मन्नत' मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित है और शाहरुख खान का निजी आवास है। यह बंगला समंदर के किनारे स्थित एक आलीशान संपत्ति है जो शाहरुख के फैंस के बीच किसी दर्शनीय स्थल से कम नहीं है। हजारों प्रशंसक हर रोज बंगले के बाहर फोटो खिंचवाते नज़र आते हैं। मन्नत को लेकर पहले भी समय-समय पर विवाद उठते रहे हैं – चाहे वह पार्किंग से जुड़ा हो या निर्माण संबंधी अनुमति का मामला।

2. ताज़ा विवाद: क्या है मामला?

हाल ही में बीएमसी और महाराष्ट्र फॉरेस्ट विभाग को शिकायत मिली कि मन्नत परिसर में अवैध निर्माण कार्य चल रहा है। शिकायत के अनुसार:

बंगले की छत पर दो अतिरिक्त मंज़िलें बनाई जा रही हैं।

यह निर्माण बिना BMC की अनुमति के शुरू किया गया।

फॉरेस्ट एक्ट के तहत आने वाले "Coastal Regulation Zone" (CRZ) कानूनों का भी उल्लंघन हो सकता है।

इसके बाद बीएमसी और फॉरेस्ट अधिकारियों की एक टीम ने बंगले का निरीक्षण किया।

3. जांच का क्रम और शुरुआती निष्कर्ष

सूत्रों के अनुसार, बीएमसी की बिल्डिंग प्रोविजन टीम और फॉरेस्ट विभाग के अधिकारियों ने 20 जून को शाहरुख खान के बंगले का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की तस्वीरें लीं और साइट मैप से मिलान करने की प्रक्रिया शुरू की।

शुरुआती जानकारी में पता चला कि: छत पर कंस्ट्रक्शन का काम जारी है।

निर्माण कार्य के कोई सार्वजनिक अनुमति दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

निर्माण का क्षेत्र CRZ (तटीय विनियमन क्षेत्र) में आता है, जहां कड़े नियम लागू होते हैं।

4. क्या हैं CRZ नियम और BMC के प्रावधान?

CRZ (Coastal Regulation Zone) नियम:

मुंबई जैसे तटीय इलाकों में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए CRZ कानून लागू हैं। इसके तहत तट से एक निश्चित दूरी पर निर्माण की अनुमति होती है और उसके लिए विशेष पर्यावरणीय क्लीयरेंस लेना अनिवार्य होता है। किसी भी तरह का ऊंचाई बढ़ाना या नया स्ट्रक्चर बनाना इस कानून के तहत प्रतिबंधित हो सकता है, जब तक कि सरकार से विशेष अनुमति न ली जाए।

BMC निर्माण नियम:

बीएमसी की तरफ से कोई भी नया निर्माण शुरू करने से पहले "Commencement Certificate (CC)" और "Intimation of Disapproval (IOD)" जैसे कागजात लेने ज़रूरी होते हैं। यदि बिना अनुमति निर्माण किया जाता है, तो उसे अवैध माना जाता है और ढहाने तक की कार्रवाई की जा सकती है।

5. शाहरुख खान की टीम का रुख

अब तक शाहरुख खान या उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि शाहरुख की टीम ने सभी ज़रूरी दस्तावेज पेश करने की तैयारी कर ली है और दावा किया जा रहा है कि जो निर्माण किया जा रहा है वह "रिनोवेशन" के अंतर्गत है, न कि नए निर्माण के रूप में। यह देखना बाकी है कि BMC और फॉरेस्ट विभाग इस दावे को स्वीकार करते हैं या नहीं।

6. इससे पहले भी उठे हैं विवाद

शाहरुख खान के बंगले को लेकर पहले भी कई बार विवाद सामने आ चुके हैं:

पार्किंग विवाद: मन्नत के सामने की सड़क पर शाहरुख की टीम की ओर से कथित रूप से कब्जा करने की शिकायतें उठती रही हैं। लाइटिंग और इवेंट्स: कई बार बर्थडे पार्टी या अन्य आयोजनों के दौरान ट्रैफिक और ध्वनि प्रदूषण की शिकायतें सामने आई हैं। बिजली का व्यावसायिक उपयोग: कुछ वर्षों पहले रिपोर्ट आई थी कि मन्नत में फिल्म शूटिंग के लिए दी गई बिजली का दुरुपयोग हुआ है।

7. प्रशासन की कार्रवाई: आगे क्या?

बीएमसी और फॉरेस्ट विभाग की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। यदि निर्माण को अवैध माना गया:

तो BMC नोटिस जारी कर सकती है।

निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया जा सकता है।

ढहाने की कार्रवाई या जुर्माना लग सकता है।

यदि CRZ नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो मामला नेशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल तक जा सकता है।

8. सार्वजनिक प्रतिक्रिया और सामाजिक संदेश

सामान्य जनता और सोशल मीडिया पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कुछ लोग इसे सेलेब्रिटीज के "विशेषाधिकार" का उदाहरण बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई मानते हैं।

इस मामले से एक बड़ा संदेश यह निकलता है कि नियम-कानून सभी के लिए समान हैं – चाहे वह आम नागरिक हो या सेलिब्रिटी। यदि प्रशासन इस मामले में निष्पक्षता से जांच करता है और कार्रवाई होती है, तो यह एक मिसाल बन सकती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025: 'वन अर्थ, वन हेल्थ' थीम पर देश-दुनिया में उत्साह

-शिल्पा, मलाइका, अनुपम खेर समेत सेलेब्स ने किया योगाभ्यास

हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इस वर्ष भी पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। वर्ष 2025 में इसका मुख्य संदेश था – 'वन अर्थ, वन हेल्थ' यानी 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'। यह संदेश इस विचार को बल देता है कि मानव, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़ा हुआ है, और योग इस संतुलन को बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

सेलेब्स ने योग से जोड़ा जनमानस

इस अवसर पर बॉलीवुड और टीवी जगत के कई सितारों ने अपने-अपने अंदाज़ में योग दिवस को खास बनाया। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी, जो खुद एक जानी-मानी योग प्रमोटर हैं, ने सुबह-सवेरे मरीन ड्राइव पर सैकड़ों लोगों के साथ योग किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने सूर्य नमस्कार और प्राणायाम करते हुए लोगों को स्वस्थ जीवन की प्रेरणा दी।

उन्होंने कैप्शन में लिखा: "योग सिर्फ शरीर नहीं, आत्मा की सफाई है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ' का मतलब है कि जब हम खुद स्वस्थ होंगे, तभी धरती और समाज भी स्वस्थ होंगे।"

वहीं अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा, जो अपने फिटनेस रूटीन के लिए मशहूर हैं, ने भी एक विशेष योग सेशन आयोजित किया। उन्होंने लोगों को शरीर की लचीलापन और मानसिक स्थिरता के लिए योग की अहमियत समझाई। मलाइका ने 'योगा विथ मलाइका' नाम से एक ऑनलाइन लाइव सेशन भी किया जिसमें हज़ारों लोगों ने भाग लिया।

अनुपम खेर, जो उम्र के इस पड़ाव में भी ऊर्जा और सकारात्मक सोच के प्रतीक हैं, ने इंस्टाग्राम पर लिखा:

"मैं हर दिन योग करता हूँ, लेकिन आज का दिन खास है क्योंकि पूरी दुनिया मिलकर एक साथ साँस लेती है, ध्यान करती है और स्वस्थ रहने का संकल्प लेती है।"

पीएम मोदी का संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर देश को संबोधित किया। उन्होंने इस बार जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में योग किया, जहाँ भारी संख्या में लोगों ने उनके साथ सहभागिता की। उन्होंने कहा:

"योग भारत की प्राचीन परंपरा है, लेकिन आज यह पूरी दुनिया का सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ' की थीम हमें याद दिलाती है कि योग से हम न केवल खुद को, बल्कि पूरी पृथ्वी को स्वस्थ रख सकते हैं।"

देशभर में बड़े पैमाने पर आयोजन

योग दिवस को लेकर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूल, कॉलेज, कार्यालय, पार्क और मैदानों में लोग सुबह से ही योगाभ्यास करते नज़र आए। आयुष मंत्रालय के अनुसार, इस बार करीब 25 करोड़ लोगों ने प्रत्यक्ष और डिजिटल माध्यम से योग दिवस में हिस्सा लिया। दिल्ली के लोधी गार्डन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और युवाओं ने एक साथ योगासन किए। लखनऊ, पुणे, बेंगलुरु, गुवाहाटी, और भोपाल जैसे शहरों में भी भव्य आयोजन हुए जहाँ विशेषज्ञों ने योग और आयुर्वेद पर विशेष सत्र लिए।

'वन अर्थ, वन हेल्थ' थीम का संदेश

वर्ष 2025 के लिए चुनी गई थीम 'One Earth, One Health' का मक़सद था यह बताना कि हमारे स्वास्थ्य की कड़ी प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ी है। योग, एक ऐसा साधन है जो न केवल शरीर को स्वस्थ करता है, बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलित करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस अवसर पर एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया:

"योग वैश्विक स्तर पर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावशाली उपाय है। इसके माध्यम से तनाव, चिंता, अवसाद जैसी समस्याओं से निपटा जा सकता है।"

युवाओं में योग को लेकर बढ़ती रुचि

आज की युवा पीढ़ी भी अब योग को केवल एक पारंपरिक विधा नहीं, बल्कि मॉडर्न फिटनेस टूल के रूप में अपना रही है। जिम, डांस और पिलाटे जैसे विकल्पों के बीच भी योग का महत्व फिर से उभरकर सामने आया है। कई युवा इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर योगा चैनल चला रहे हैं, और लाखों लोग इन्हें फॉलो कर रहे हैं।

बेंगलुरु के एक युवा योगा ट्रेनर राहुल गोविंद का कहना है,

"योग अब सिर्फ बुज़ुर्गों की चीज़ नहीं रह गई। युवा भी इसे अपना रहे हैं क्योंकि यह न केवल बॉडी फिट रखता है बल्कि माइंड को भी शांत करता है।"

योग और डिजिटल हेल्थ

इस बार के योग दिवस में खास बात यह रही कि टेक्नोलॉजी को योग से जोड़ा गया। कई मोबाइल ऐप्स, वर्चुअल योग सेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से योग अभ्यास का आकलन करने वाली तकनीकों का भी प्रदर्शन किया गया। इससे उन लोगों को लाभ मिला जो घर पर रहकर भी सामूहिक योग अनुभव करना चाहते थे।

काजोल ने सुनाया 'बाज़ीगर' का मज़ेदार किस्सा: शाहरुख़ को कहा था 'खड़ूस'

-SRK बोले- "कोई इसको चुप कराओ!"

1993 में आई फिल्म 'बाज़ीगर' न सिर्फ एक सुपरहिट थ्रिलर थी, बल्कि इसने शाहरुख़ ख़ान और काजोल की जोड़ी को हिंदी सिनेमा का सबसे प्यारा ऑन-स्क्रीन कपल भी बना दिया। अब इतने सालों बाद भी जब इस फिल्म का ज़िक्र होता है, तो लोगों के जहन में सिर्फ गाने या सस्पेंस नहीं, बल्कि शाहरुख़ और काजोल की कैमिस्ट्री याद आती है। हाल ही में काजोल ने एक इवेंट के दौरान 'बाज़ीगर' की शूटिंग का एक मज़ेदार किस्सा शेयर किया, जिसमें उन्होंने शाहरुख को 'खड़ूस' तक कह डाला था। आइए जानते हैं वो मजेदार किस्सा और फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें।

बाज़ीगर के सेट पर काजोल और शाहरुख की पहली मुलाक़ात

काजोल ने बताया कि 'बाज़ीगर' उनकी और शाहरुख की पहली फिल्म थी। दोनों की उस वक़्त उम्र कम थी और एक्टिंग करियर की शुरुआत थी। काजोल के अनुसार, "मैं बहुत ही बातूनी थी, हर चीज़ पर बात करती रहती थी। मैं सेट पर हर किसी से मिल-जुलकर रहती थी, चाहे वो स्पॉटबॉय हो या कैमरामैन।" शाहरुख़ ख़ान उस समय थोड़े शांत और प्रोफेशनल थे, जबकि काजोल बेहद एनर्जेटिक और खुली मिजाज की। इसी स्वभाव के कारण दोनों के बीच शूटिंग के पहले ही दिन हल्की नोकझोंक हो गई थी।

काजोल ने शाहरुख को कहा 'खड़ूस'

एक इंटरव्यू में काजोल ने खुलासा किया कि फिल्म की शुरुआती शूटिंग के दौरान जब वह सेट पर आईं, तो उन्हें शाहरुख बहुत शांत और थोड़े रूखे लगे। "मैंने अपने अंदाज़ में कह दिया – क्या खड़ूस टाइप का है ये लड़का!" काजोल ने हंसते हुए कहा। शाहरुख़ भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, "कोई इसको चुप कराओ, ये लड़की बहुत बोलती है!" हालांकि ये बातें मज़ाक में हुई थीं, लेकिन दोनों के बीच की ये शुरूआती नोंकझोंक आगे जाकर गहरी दोस्ती में बदल गई।

कैसे बनी SRK-काजोल की आइकॉनिक जोड़ी

हालांकि शूटिंग की शुरुआत में दोनों के स्वभाव अलग थे, लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, दोनों के बीच एक गहरा जुड़ाव बन गया। शाहरुख़ ने एक बार कहा था कि काजोल के साथ काम करना बहुत आसान है, क्योंकि वो बिना दबाव के एक्टिंग करती हैं और हर सीन को मस्ती में बदल देती हैं।

'बाज़ीगर' की सफलता के बाद दोनों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी ख़ुशी कभी ग़म', और 'माय नेम इज़ ख़ान' जैसी कई हिट फिल्में साथ में दीं। उनकी जोड़ी बॉलीवुड की सबसे चहेती जोड़ियों में शुमार हो गई।

फिल्म 'बाज़ीगर' की कामयाबी

'बाज़ीगर' को अब तक की सबसे आइकॉनिक थ्रिलर फिल्मों में गिना जाता है। अब्बास-मस्तान की इस फिल्म में शाहरुख ने एक निगेटिव रोल निभाया था, जो उस समय काफी नया और रिस्की कदम था। काजोल ने फिल्म में सीधी-सादी लड़की का रोल निभाया, जिसने अपने पिता की मौत के पीछे का सच जानने की कोशिश की।

डेविड धवन ने गोविंदा को मेरे खिलाफ भड़काया

-पहलाज निहलानी का बड़ा आरोप, बोले- 'आंखें' की शूटिंग मैंने कराई,

हाल ही में मशहूर निर्माता और पूर्व सेंसर बोर्ड प्रमुख पहलाज निहलानी ने निर्देशक डेविड धवन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डेविड ने एक्टर गोविंदा को उनके खिलाफ भड़काया था। पहलाज के मुताबिक, 1993 की सुपरहिट फिल्म 'आंखें' के दौरान डेविड धवन पूरी शूटिंग के वक्त सेट से गायब रहते थे और वे फिल्म के लिए केवल एक डमी डायरेक्टर थे।

निहलानी ने कहा, "मैंने डेविड को ब्रेक दिया, लेकिन जब 'आंखें' बना रहा था, तब वे सेट पर आते ही नहीं थे। डायरेक्शन का सारा काम मैंने ही संभाला।" उन्होंने यह भी कहा कि डेविड ने गोविंदा के कान भरकर उनके खिलाफ कर दिया, जबकि वे ही गोविंदा को बड़े पर्दे पर लाए थे।

निहलानी ने डेविड पर भरोसा जताया था, लेकिन समय के साथ रिश्तों में खटास आ गई। उन्होंने यह भी कहा कि "अब कोई भी सच नहीं बोलता, लेकिन मैं चुप नहीं रहूंगा।" यह बयान एक बार फिर बॉलीवुड के पुराने रिश्तों और टकरावों को सुर्खियों में ले आया है।

लीड्स टेस्ट के पहले दिन यशस्वी-शुभमन की सेंचुरी: पंत ने जड़ा अर्धशतक

-भारत की मजबूत शुरुआत, 359-3 (85.0)

(लीड्स भाषा), तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का पहला टेस्ट लीड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। शनिवार को दोपहर 3:30 बजे से दूसरे दिन का खेल शुरू होगा। यहां भारतीय टीम 359/3 के स्कोर से खेलना शुरू करेगी। कप्तान शुभमन गिल 127 और ऋषभ पंत 65 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाएंगे।

मुकाबले के पहले दिन यशस्वी जायसवाल (101 रन) और केएल राहुल (41 रन) बनाकर आउट हुए। डेब्यूटेंट साई सुदर्शन शून्य रन बनाकर पवेलियन लौटे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने 2 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स को एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉले, बेन डकेट, ओली पॉप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। यशस्वी जायसवाल (101 रन) और केएल राहुल (42 रन) ने 91 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स ने लंच से पहले दो विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी कराई। डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन शून्य पर आउट हुए।

नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे भारतीय कप्तान ने जायसवाल के साथ 129 और ऋषभ पंत के साथ नाबाद 138 रन की पार्टनरशिप करके भारत को दिन के खेल में आगे रखा। गिल ने कप्तान बनने के बाद पहले टेस्ट में शतक बनाया। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने।

जायसवाल-गिल के शतक से जुड़े 2 रोचक फैक्ट

जायसवाल ने इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट में शतक लगाया। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने हैं।

गिल ने बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाया। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने।

पहले दिन के खेल के बाद यशस्वी जायसवाल ने कहा-

सभी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मैंने खेल का आनंद लिया। पिछले हफ्तों में अच्छे प्रैक्टिस सेशन हुए थे। इसलिए आज आसानी से खेला। मैं खुद पर भरोसा करता हूं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। बॉल 100% गेंद स्विंग हुई, लेकिन मैं अपनी प्रोसेस पर निरंतर रहा।

गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। वह संयमित और शांत रहा और वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की।

पहले दिन का आखिरी सेशन भारतीय टीम के नाम रहा। 34 ओवर के इस सेशन में भारत ने 144 रन बनाए। हालांकि, टीम को एक झटका भी लगा। इस सेशन में कप्तान शुभमन गिल ने शतक पूरा किया, जबकि पंत ने अर्धशतक बनाया।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन भारत ने 3 विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। लीड्स में शुभमन गिल बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपना पहला शतक लगाया। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे।यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड में पहली पारी में शतक बनाने वाले 5वें भारतीय बने। वे 101 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को कप्तान बेन स्टोक्स ने बोल्ड कर दिया।

भारतीय ओपनर्स ने 39 साल के बाद लीड्स के हेडिंग्ले स्टेडियम में 50 रन से ज्यादा की ओपनिंग साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 91 रन जोड़े।शुभमन गिल कप्तान बनने के बाद पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने हैं। उनसे पहले विजय हजारे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली यह कारनामा कर चुके हैं।शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 2000 रन पूरे किए। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 3000 रन पूरे हुए।

काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे प्लेयर्स

भारत-इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और दर्शकों ने मैच शुरू होने से पहले 2 मिनट का मौन रखा। साथ ही सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर भी खेलने उतरे। 12 जून को अहमदाबाद के प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया गया।

साई 20 जून को टेस्ट डेब्यू करने वाले चौथे भारतीय

साई सुदर्शन 20 जून को टेस्ट डेब्यू करने वाले चौथे प्लेयर बने। वे भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी हैं। हालांकि सुदर्शन अपने डेब्यू पर खाता भी नहीं खोल सके। राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और विराट कोहली ने इस तारीख को डेब्यू किया था। खास बात यह है कि सभी ने 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं।

गिल ने की कोहली और गावस्कर की बराबरी: यशस्वी ने इंग्लैंड में जड़ी पहली सेंचुरी

-काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

(लीड्स भाषा), लीड्स टेस्ट का पहला दिन टीम इंडिया के नाम रहा, जहां शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की शानदार पारियों ने न सिर्फ स्कोरबोर्ड को रफ्तार दी, बल्कि ऐतिहासिक आंकड़ों में भी नए पन्ने जोड़े। गिल ने विराट कोहली और सुनील गावस्कर की बराबरी करते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह और भी पक्की की, वहीं यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक जड़कर इतिहास रचा।

पहला बड़ा मोमेंट: गिल की ऐतिहासिक सेंचुरी

शुभमन गिल ने अपनी 5वीं टेस्ट सेंचुरी पूरी की और इसके साथ ही वे सुनील गावस्कर और विराट कोहली के क्लब में शामिल हो गए, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 टेस्ट सेंचुरी लगाई हैं। गिल की यह पारी खास इसलिए रही क्योंकि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में संभलकर शुरुआत की और फिर तेजी से रन बनाकर इंग्लिश गेंदबाजों पर दबाव डाला।

उन्होंने 175 गेंदों में 127 रन बनाए

स्ट्राइक रेट रहा करीब 73

उन्होंने 16 चौके और 1 छक्का जड़ा

गिल की यह पारी इंग्लैंड की धरती पर अब तक की उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी मानी जा रही है।

जायसवाल का पहला इंग्लिश टेस्ट शतक

दूसरे छोर पर यशस्वी जायसवाल ने भी भारतीय क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। उन्होंने इंग्लैंड में पहली बार शतक जड़ा और ये साबित कर दिया कि वह विदेशी पिचों पर भी उतने ही खतरनाक बल्लेबाज़ हैं जितने घरेलू मैदानों पर।

जायसवाल ने 158 गेंदों में 101 रन बनाए

इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 1 छक्के मारे

उन्होंने स्पिन और पेस दोनों के खिलाफ आत्मविश्वास दिखाया

खिलाड़ियों ने क्यों बांधी काली पट्टी?

लीड्स टेस्ट की शुरुआत एक भावनात्मक क्षण से हुई। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे। इसका कारण था – पूर्व क्रिकेटर और कोच सलीम दुर्रानी की हाल में हुई मृत्यु।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस महान ऑलराउंडर को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कदम उठाया। दुर्रानी का योगदान न केवल भारतीय क्रिकेट में, बल्कि इंडियन क्रिकेट कल्चर में भी अमिट रहा है।

आंकड़ों में इतिहास

गिल के लिए ऐतिहासिक दिन

इंग्लैंड के खिलाफ गिल की यह तीसरी टेस्ट सेंचुरी है।

उन्होंने विराट कोहली और सुनील गावस्कर के 3 शतकों की बराबरी की।

गिल अब भारत के लिए इंग्लैंड में सबसे तेज़ 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल

जायसवाल की यह कुल तीसरी टेस्ट सेंचुरी है

इंग्लैंड में पहली बार किसी भारतीय ओपनर ने डेब्यू सीरीज़ में सेंचुरी लगाई (विदेश में)

वे सहवाग और गावस्कर के बाद पहले ऐसे भारतीय ओपनर हैं जिन्होंने इंग्लैंड में 100+ रन बनाए पहले टूर में

क्रिकेट एक्सपर्ट्स की राय

वसीम जाफर:

"गिल और जायसवाल की जोड़ी भारत को अगले 10 साल तक टेस्ट क्रिकेट में मज़बूत बनाएगी। ये शुरुआत है, ये दोनों आने वाले समय के द्रविड़-सीवाग साबित हो सकते हैं।"

संजय मांजरेकर:

"गिल की बल्लेबाज़ी में संयम और आक्रामकता का अद्त संतुलन है। विराट की तरह वह भी मुश्किल समय में रन निकालना जानते हैं।"

इंग्लिश बॉलिंग की परीक्षा

इंग्लैंड के गेंदबाजों को पहले दिन काफी संघर्ष करना पड़ा। एंडरसन, ब्रॉड जैसे अनुभवी गेंदबाज भी गिल और यशस्वी की जोड़ी को तोड़ने में असफल रहे। मार्क वुड ने ज्यादा तेज़ी दिखाई, लेकिन लाइन-लेंथ नहीं जमा पाए।

भारतीय टीम की स्थिति

पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने केवल 3 विकेट खोकर 359 रन बना लिए थे।

अगर यह लय बनी रही तो भारत इस टेस्ट में विशाल स्कोर खड़ा कर सकता है और सीरीज़ में बढ़त लेने का सुनहरा मौका बना सकता है।

संभावित रणनीति दूसरे दिन के लिए:

500+ स्कोर की कोशिश

गिल-पंत की साझेदारी को लंबा खींचना

गॉल टेस्ट: श्रीलंका की 485 रन की विशाल पारी के बाद बांग्लादेश संघर्ष में

-दूसरी पारी में 177/3 पर क्रीज़ पर डटे शांतो-रहीम

श्रीलंका की टीम पहले टेस्ट के चौथे दिन पहली पारी में 485 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके साथ ही बांग्लादेश को पहली पारी में 10 रन की बढ़त मिली है। इससे पहले श्रीलंका की टीम चौथे दिन 4 विकेट के नुकसान पर 368 रन से आगे खेलने उतरी थी। गॉल टेस्ट में बांग्लादेश ने पहली पारी में 495 रन बनाए थे। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 177 रन बना लिए हैं। नजमुल हसन शांतो और मुशफिकुर रहीम नाबाद लौटे हैं।

इस्लाम-शांतो की फिफ्टी

दूसरी पारी में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो 56 और मुशफिकुर रहीम 22 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं।पारी की शुरुआत करने आए शादमान इस्लाम ने शानदार 76 रन की पारी खेली। उन्हें मिलन रथनायके ने आउट किया। प्रभाथ जयसूर्या और थारिंदु **रथनायके को भी एक-एक विकेट मिला**।

निसांका ने 187 रन बनाए

श्रीलंका के लिए टॉप स्कोरर ओपनर पथुम निसांका रहें। जिन्होंने 256 गेंदों में 187 रन की पारी खेली, जिसमें 23 चौके और 1 सिक्स जड़ा। इसके अलावा कामिंडू मेंडिस ने 148 गेंदों में 87 रन और दिनेश चांदीमल ने 119 गेंदों में 54 रन बनाए।

नईम ने 5 विकेट झटके

बांग्लादेश के लिए नईम हसन ने 5 विकेट झटके। इसके अलावा हसन महमूद ने 3 विकेट, ताइजुल इस्लाम और मोमिनुल हक को 1-1 विकेट मिला।

बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही पहले दिन बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने ओपनर अनामुल हक का विकेट मात्र 5 रन पर गंवा दिया। इसके बाद शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने मिलकर पारी संभाली और 64 बॉल पर 34 रन जोड़े। शादमान 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मोमिनुल ने 4 चौके की मदद से 29 रन बनाए।

शांतो और मुशफिकुर ने 264 रन जोड़े

मोमिनुल के आउट होने के बाद बैटिंग करने आए नजमुल और मुश्फिकुर ने शानदार बल्लेबाजी की और चौथे विकेट के लिए 264 रन जोड़ डाले। शांतो ने शतक लगाते हुए शानदार 148 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और एक सिक्स लगाए। उनके साथ दूसरी छोर पर बल्लेबाजी कर रहे मुशफिकुर रहीम ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। उन्होंने ने 163 रन बनाए। रहीम ने अपनी पारी में 9 चौके लगाए। लिट्टन दास ने शानदार बल्लेबाजी की और 90 रन बनाकर आउट हुए। पेसर असिथा फर्नांडो ने बांग्लादेश के 4 बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं टेस्ट करियर का पहला मैच खेल रहे थारिंदु रथनायके ने 3 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उनके अलावा मिलन रथनायके को भी 3 विकेट मिला।

लाहिरू उदारा ने भी किया डेब्यू

श्रीलंका ने रत्नायके के अलावा सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा को इस मैच में डेब्यू का मौका मिला। जबकि यह एंजेलो मैथ्यूज के टेस्ट करियर का 119वां और आखिरी मैच है। यह मैच 2025-2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का पहला मैच है। लॉर्ड्स में हाल ही में खेले गए पिछले साइकल के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया।

क्या कहता है पिच का मिज़ाज?

गॉल की पिच चौथे दिन तक धीमी होती गई है और गेंद स्पिनरों को मदद देने लगी है। पांचवें दिन ये और अधिक टर्न ले सकती है, जिससे प्रभात जयसूर्या बांग्लादेश के लिए मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।

पांचवें दिन की संभावनाएं:

अगर शांतो और रहीम लंच तक टिके रहते हैं, तो बांग्लादेश मुकाबला ड्रॉ की ओर ले जा सकता है।

एक-दो जल्दी विकेट श्रीलंका को जीत के बेहद करीब ला सकते हैं। पिच की स्थिति को देखते हुए, स्पिन फैक्टर अहम होगा।

प्रज्ञानंदा ने गुकेश को पछाड़ा: FIDE लाइव रेटिंग में टॉप-5 में तीन भारतीय, चितंबरम बाहर

भारत में शतरंज का भविष्य उज्ज्वल होता जा रहा है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है हाल ही में अपडेट हुई FIDE (फिडे) लाइव चेस रेटिंग। इस रेटिंग में भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंदा ने एक और मुकाम हासिल करते हुए डी. गुकेश को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, टॉप-5 में अब भारत के तीन खिलाड़ी शामिल हो गए हैं, जबकि अरविंद चितंबरम टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। यह घटनाक्रम भारतीय शतरंज के बदलते स्वरूप और दुनिया भर में उसकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

प्रज्ञानंदा की चढ़ती रैंकिंग

17 वर्षीय आर प्रज्ञानंदा ने हाल ही में कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसी का नतीजा है कि FIDE की लाइव रेटिंग में उनका स्कोर अब 2753.2 हो गया है, जिससे उन्होंने डी. गुकेश को पीछे छोड़ दिया है। गुकेश की रेटिंग इस समय 2751.8 है। ये दोनों ही खिलाड़ी दुनिया के सबसे युवा सुपर ग्रैंडमास्टर्स में गिने जाते हैं और भारत के लिए गर्व की बात है कि इतनी कम उम्र में ये खिलाड़ी विश्व स्तर पर खुद को साबित कर रहे हैं। प्रज्ञानंदा ने नॉर्वे शतरंज 2025 और इसके पहले कुछ क्लासिकल मुकाबलों में मजबूत विरोधियों को मात देकर अपनी रेटिंग में निरंतर इज़ाफा किया है। उन्होंने कार्लसन जैसे टॉप खिलाड़ियों से भी कड़ा मुकाबला किया है।

भारत के तीन खिलाड़ी टॉप-5 में

FIDE लाइव रेटिंग के मुताबिक, टॉप-5 खिलाड़ियों में अब भारत के तीन सितारे शामिल हैं:

विश्वनाथन आनंद (2756.0) – भारतीय शतरंज के पितामह माने जाने वाले आनंद अब भी सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक हैं। उनकी स्थिरता और अनुभव उन्हें आज भी शीर्ष पर बनाए हुए हैं।

आर. प्रज्ञानंदा (2753.2) – युवा ऊर्जा और रणनीतिक चतुराई का प्रतीक बन चुके प्रज्ञानंदा ने लगातार बेहतर खेल दिखाया है।

डी. गुकेश (2751.8) – हाल ही में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैंपियनशिप की दौड़ में शामिल होने वाले गुकेश, थोड़े अंतर से प्रज्ञानंदा से पीछे हैं, पर उनकी प्रगति भी शानदार रही है।

इन तीनों की मौजूदगी दुनिया को ये साफ संदेश देती है कि शतरंज में भारत अब सिर्फ उभरता हुआ देश नहीं, बल्कि एक मजबूत ताकत बन चुका है।

अरविंद चितंबरम टॉप-10 से बाहर

हालांकि इस रेटिंग लहर में कुछ उतार-चढ़ाव भी देखने को मिले। देश के एक और होनहार ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम अब टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। चितंबरम की हाल की परफॉर्मेंस में थोड़ी गिरावट आई है, जिससे उनकी रेटिंग नीचे खिसक गई। FIDE लाइव डेटा के अनुसार, उनकी नई रेटिंग 2710 के आसपास है, जिससे वह 11वें या 12वें स्थान पर पहुँच चुके हैं। अरविंद का खेल अब भी मजबूत है, लेकिन टॉप खिलाड़ियों के बीच लगातार बने रहना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उम्मीद है कि वे आने वाले टूर्नामेंट्स में वापसी करते हुए फिर से टॉप-10 में जगह बनाएंगे।

भारत में शतरंज का बढ़ता प्रभाव

भारत में शतरंज को कभी सीमित खेल समझा जाता था, लेकिन आज यह लाखों युवाओं की प्रेरणा बन चुका है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, सरकारी समर्थन, और निजी संस्थाओं की भागीदारी से शतरंज का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है।

ऑनलाइन लर्निंग: शतरंज अब केवल स्कूलों तक सीमित नहीं है। Youtube, Chess.com और Lichess जैसे प्लेटफॉर्म्स से हज़ारों बच्चे हर दिन सीख रहे हैं।

फाइनेंशियल सपोर्ट: अब कई राज्यों की सरकारें व निजी स्पॉन्सरशिप खिलाड़ियों को आर्थिक मदद दे रहे हैं, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग ले सकते हैं।

ट्रेनिंग और कोचिंग: पूर्व चैंपियनों द्वारा स्थापित अकादमियों में अब बच्चों को विश्व स्तरीय कोचिंग मिल रही है। आनंद अकादमी, वेल्लामल शतरंज अकादमी जैसे संस्थान इस दिशा में अग्रणी हैं।

क्या कहता है यह प्रदर्शन?

भारत का यह प्रभुत्व केवल संख्या की दृष्टि से नहीं, बल्कि गुणवत्ता की दृष्टि से भी अहम है। जहां पश्चिमी देशों में शतरंज धीरे-धीरे लोकप्रियता खो रहा है, वहीं भारत में यह एक "क्रेज़" बन चुका है। शतरंज ओलंपियाड की सफल मेज़बानी, कैंडिडेट्स में भारतीयों की मौजूदगी और ग्रैंडमास्टरों की संख्या में लगातार इज़ाफा – यह सब बताता है कि भारत का भविष्य इस खेल में सुनहरा है।

भविष्य की संभावनाएं

विश्व चैंपियनशिप की दौड़: डी. गुकेश पहले ही फीडे कैंडिडेट्स जीत चुके हैं और अब वह 2025 के अंत में मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से भिड़ने वाले हैं। अगर वह खिताब जीतते हैं, तो वह सबसे युवा विश्व चैंपियन बन सकते हैं। टीम इंडिया की मजबूती: ओलंपियाड और अन्य टीम टूर्नामेंट्स में भारत की टीम अब किसी भी देश से कम नहीं है। युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ अनुभवी आनंद जैसे खिलाड़ी टीम को संतुलित बनाते हैं। शतरंज का व्यावसायीकरण: भारत में शतरंज लीग जैसे आयोजनों की शुरुआत हो रही है। इससे खेल को दर्शकों के बीच मनोरंजन की तरह भी प्रस्तुत किया जा सकेगा।

पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर थ्रो के साथ साल का पहला खिताब जीता

-नीरज चोपड़ा की धमाकेदार वापसी

ट्रैक एंड फील्ड की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से अपनी ताक़त और प्रतिभा का लोहा मनवाया है। टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और विश्व चैंपियन नीरज ने 2025 की अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की शानदार भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) कर जीत दर्ज की। यह न केवल उनका इस साल का पहला खिताब है, बल्कि आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए भी एक मजबूत संकेत है कि वह शानदार फॉर्म में हैं।

प्रतियोगिता का विवरण:

नीरज चोपड़ा ने कुल 6 थ्रो किए, जिनमें से तीन फाउल रहे। हालांकि, दूसरे थ्रो में उन्होंने 88.16 मीटर की दूरी तय करके खुद को प्रतियोगिता में सबसे आगे रखा। उनके इस थ्रो को कोई अन्य प्रतिभागी पार नहीं कर सका, और इसी के दम पर उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया।

उनके थ्रो का क्रम इस प्रकार रहा:

पहला थ्रो – फाउल

दूसरा थ्रो – 88.16 मीटर

तीसरा थ्रो – फाउल

चौथा थ्रो – 85.43 मीटर

पाँचवाँ थ्रो – फाउल

छठा थ्रो – 80.61 मीटर

हालांकि तीन थ्रो फाउल रहे, लेकिन दूसरे थ्रो की जबरदस्त दूरी ने उन्हें प्रतियोगिता में अव्वल बनाए रखा।

नीरज के लिए यह जीत क्यों अहम है?

साल की पहली जीत: यह नीरज की 2025 की पहली बड़ी प्रतियोगिता थी। इस जीत ने उनके आत्मविश्वास को मज़बूत किया है, विशेषकर ओलंपिक वर्ष में जब हर प्रदर्शन मायने रखता है। पेरिस ओलंपिक से पहले एक संकेत: पेरिस डायमंड लीग, पेरिस ओलंपिक के लिए भी एक तरह से प्रैक्टिस ग्राउंड है। नीरज की जीत ये बताती है कि वह इस बार भी ओलंपिक गोल्ड के प्रबल दावेदार हैं।

लगातार प्रदर्शन:

नीरज लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल भी डायमंड लीग का खिताब जीता था। वह अब तक तीन बार डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल कर चुके हैं।

अन्य प्रतियोगियों का प्रदर्शन:

नीरज के बाद चेक रिपब्लिक के जैकब वाडलेच (Jakub Vadlejch) ने 85.25 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, जर्मनी के जूलियन वेबर (Julian Weber) 84.84 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह दोनों खिलाड़ी नीरज के करीबी प्रतिद्वंद्वी माने जाते हैं, लेकिन इस बार वे उनके 88.16 मीटर के थ्रो के आस-पास भी नहीं पहुंच पाए।

नीरज चोपड़ा की प्रतिक्रिया:

खिताब जीतने के बाद नीरज ने कहा, "मैं अपने थ्रो से संतुष्ट हूं लेकिन और बेहतर कर सकता हूं। मेरा लक्ष्य 90 मीटर का आंकड़ा पार करना है, और मैं लगातार इसकी कोशिश कर रहा हूं। मुझे खुशी है कि चोट के बाद वापसी करके मैं जीत सका।"

'इंडिया ग्लोबल फोरम' के 'फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम' के सत्र में बोले ब्रिटेन के मंत्री

विज्ञान और तकनीक में भारत एक उभरता खिलाड़ी, भारत के साथ संबंधों को दें मजबूती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिटेन अपनी नई औद्योगिक नीति में भारत को प्राथमिकता देगा

भारत की 'परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों' की सराहना की

ब्रिटेन के विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा है कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक सशक्त खिलाड़ी बन रहा है और ब्रिटेन को भारत के साथ अपने वैज्ञानिक व शैक्षणिक संबंधों को और गहराई देनी चाहिए। यह बात उन्होंने लंदन स्थित साइंस म्यूजियम में आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के 'फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम' के एक सत्र में कही, जिसका विषय था 'एक नई नवाचार युग के लिए यूके-भारत सहयोग को सशक्त बनाना'। लॉर्ड वैलेंस ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच पहले से ही मजबूत संबंध हैं और यह लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन केवल सरकार-स्तर के रिश्ते ही सब कुछ नहीं करते, असली प्रेरणा वैज्ञानिकों के बीच संवाद और सहयोग से मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन सरकार ग्लोबल टैलेंट वीजा के जरिए उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को बढ़ावा देना चाहती है और भारत के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

फोरम में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन के बीच किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में बहुआयामी लाभ देता है। एक एफटीए पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि दोनों देश मित्र हैं, साझेदार हैं और एक-दूसरे पर विश्वास करते हुए मिलकर काम करने को तैयार हैं। 'पिचर्स एंड पंटर' नामक सत्र में भारत के उभरते स्टार्टअप्स ने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के पैनल के सामने अपने आइडिया पेश किए।

भारत के साथ सहयोग की प्राथमिकताएं तय करें

मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा कि ब्रिटेन की सरकार जल्द ही अपनी नई इंडस्ट्रियल स्ट्रैटेजी (औद्योगिक रणनीति) जारी करने वाली है, जो भारत के साथ भविष्य के सहयोग की प्राथमिकताएं तय करेगी। लॉर्ड आरा डार्जी, ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) की महत्वपूर्ण समीक्षा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने भारत की 'परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों' की सराहना की और कहा कि यह एक ऐसा 'बौद्धिक और उत्पादन-सामर्थ्य' है, जिसके साथ ब्रिटेन को साझेदारी करनी चाहिए।

भारत और ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करेंगे

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान कई शीर्ष ब्रिटिश अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने फाइनेंशियल फ्रेमवर्क और एआई जैसी उभरती तकनीकों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने ब्रिटेन में चांसलर ऑफ दि एक्सचेकर रेचल रीव्स से मुलाकात की और भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए फाइनेंशियल फ्रेमवर्क्स, सस्टेनेबल फाइनेंस और नए व्यापार अवसरों

को पेश करने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने ब्रिटेन स्थित बिजनेस फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म टाइड के सीईओ ओलिवर प्रिल के साथ भी महत्वपूर्ण चर्चा की। पीयूष गोयल ने कहा कि डिजिटल दुनिया में भारत की प्रगति के साथ, हमने फिनटेक इकोसिस्टम, डिजिटल सशक्तीकरण और दोनों अर्थव्यवस्थाओं में एसएमई के नेतृत्व वाली वृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा की।

साइंस और टेक्नोलॉजी में करेंगे सहयोग

मंत्री गोयल ने लंदन के फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम में साइंस म्यूजियम ग्रुप के निदेशक और मुख्य कार्यकारी सर इयान ब्लैचफोर्ड से भी बातचीत की। गोयल ने कहा कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे दुनिया हमारी कुशल प्रतिभा, लागत प्रभावी समाधानों और एआई और उभरती टेक्नोलॉजी में बढ़ती क्षमताओं से लाभान्वित हो सकती है। साथ ही, दोनों देशों के बीच साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-ब्रिटेन एफटीए की क्षमता को रेखांकित किया।

उधमपुर पहुंचे रक्षा मंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए दी यह जानकारी

नया भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का जोरदार प्रतिकार करेगा: राजनाथ सिंह

रॉयल पत्रिका

21 जून 2025 को पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशाखापट्टनम में मुख्य योग समारोह का नेतृत्व करेंगे। तो वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सेना के जवानों के साथ योग करते हुए नजर आएंगे।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि रक्षा मंत्री योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 20 जून को उधमपुर पहुंचे और वहां उन्होंने देश की उत्तरी सीमाओं की निगरानी में तैनात जवानों से बड़ाखाना पर मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। उधमपुर पहुंचने पर रक्षा मंत्री का सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, बल की उत्तरी कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। यहां बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह दूसरा ऐसा मौका है। जब रक्षा मंत्री जम्मू-कश्मीर की यात्रा कर रहे हैं।

भारत ने बदल दी अपनी नीति

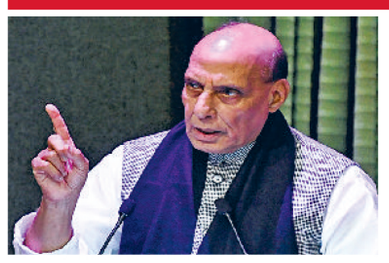

जवानों की तपस्या का ऋणी पूरा राष्ट्र

उन्होंने कहा कि जवानों का जीवन साहस की परिभाषा है। जब आम नागरिक सोते हैं, तब आप जागते हैं। जब देश त्योहार मनाता है, तब आप सीमाओं पर तैनात रहते हैं। जब बर्फ गिरती है तो आप हिमवीर बनकर तैनाती पर अडिग रहते हैं। जब दुश्मन गोले बरसाता है तो आप सीना तानकर खड़े रहते हैं। बड़ाखाना आपको ये याद दिलाने का अवसर भी है कि देश आपको भूला नहीं है। यह राष्ट्र आपकी तपस्या का ऋणी है। उधमपुर में आप सभी के बीच आकर मुझे खुशी हो रही है। क्योंकि ये ही वो स्थान है जहां से हमारी उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली जाती है। इसलिए मैं समझता हूं कि आप सभी हमारी सुरक्षा चेन का एक प्रमुख हिस्सा हैं।

एकता का प्रतीक है बड़ाखाना

राजनाथ ने बड़ाखाना को परिभाषित करते हुए कहा कि यह परंपरा कई दशकों से हमारी सशस्त्र सेनाओं का अभिन्न अंग है। जो कि महज एक साथ बैठकर भोजन करने का ही एक अवसर नहीं होता है। बल्कि ये एक ऐसा क्षण होता है। जहां रैंक और पद सब पीछे छूट जाते हैं और आगे आता है सिर्फ एक भाव। वो है हमारी एकता का यानी हम सब एक हैं। रक्षा मंत्री ने बड़ाखाना का उत्सव बताते हुए कहा कि युद्धकाल हो या शांति, सेना ने हर परिस्थिति में इस परंपरा को सहेजा है। क्योंकि ये हमें याद दिलाता है कि हम सब एक परिवार हैं। हमारा रिश्ता भले ही खून के रिश्तों से न जुड़ा हुआ हो। लेकिन देशभक्ति, समर्पण और बलिदान के रिश्तों से जरूर जुड़ा हुआ है।

यूं अलग है बड़ाखाना की खाली

उन्होंने कहा कि आपमें कई सैनिक ऐसे होंगे। जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से में भाग लिया होगा। लॉजिस्टिक्स, संचार, सहयोग या सीधे युद्ध के मैदान में आपकी भागीदारी रही होगी। इसलिए आज बड़ाखाना में खाना खाते वक्त ये जान लें कि यह उस जीत की भी थाली है, जिसमें हमारी गरिमा, हमारी जवाबदेही और हमारा आत्मविश्वास परोसा गया है। उन्होंने जवानों को भारत की आत्मा बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ आज का भारत और उसकी नीति पूरी तरह से बदल गई है। एक समय था जब हम आतंकवाद का शिकार होते थे और दुनिया से सहानुभूति मांगते थे। लेकिन आज हम आतंकवाद का उसी की भाषा में जवाब देते हैं। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा, जिस तरह से हमारी सशस्त्र सेनाओं और खुफिया तंत्र ने मिलकर सीमापार स्थित आतंकी अड्डों को मटियामेट किया। उसने केवल आतंकवादियों को ही नहीं बल्कि उनके सरपरस्तों को भी यह संदेश दे दिया है कि यह नया भारत है। जो आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का जोरदार प्रतिकार करेगा। राजनाथ के मुताबिक, ये केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी। बल्कि सीमा पार बैठे हुए आतंकियों और उनसे भी ज्यादा उनके आकाओं को एक चेतावनी थी।

हथियारबंद हमलावरों ने की 34 सैनिकों की हत्या

नियामी। नाइजर के पश्चिमी इलाके में माली और बुर्किना फासो की सीमा के पास गुरुवार सुबह हथियारबंद हमलावरों ने हमला कर दिया। इस हमले में 34 सैनिक मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि हमला सुबह करीब 9 बजे बानिबांगू क्षेत्र में हुआ। हमलावर 8 वाहनों और 200 से ज्यादा मोटरसाइकिलों के साथ आए थे। सरकार ने जवाबी कार्रवाई में दर्जनों हमलावरों को मार गिराया है। सरकार ने उन्हें 'आतंकवादी' बताया है। इसके अलावा, बाकी हमलावरों की तलाश के लिए जमीन और हवाई रास्ते से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

चीन में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़

30 हजार लोगों को बचाया, 5 की मौत, बिजली व इंटरनेट सेवाएं ठप

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में कई दिनों की भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बचावकर्मियों ने हुआइजी काउंटी से लगभग 30,000 लोगों को निकाला। काउंटी की आधे से अधिक सड़कें जलमग्न हो गई। इसके साथ ही बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो चूंकि हैं। हुआइजी काउंटी गुआंग्शी क्षेत्र की सीमा के पास है। यह गुआंगजौ से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यह एक प्रमुख औद्योगिक और बंदरगाह शहर है और प्रांतीय राजधानी भी है। इस तूफान के कारण ग्वांग्शी प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। शुई जियांग नदी में भारी उफान के कारण शहरी इलाकों में सड़कों ने नहरों का रूप ले लिया है। कई इलाकों में जलस्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि पानी इमारतों की पहली मंजिल तक पहुंच गया है और कारों की सिर्फ छतें ही दिखाई दे रही हैं। राहत और बचाव टीम ने एक स्कूल में उपस्थित दर्जनों बच्चों और बुजुर्गों को भी आपूर्ति भेजी। एक अस्पताल से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकाला। एक नवजात शिशु के साथ एक महिला को दूध पाउडर और पानी पहुंचाया।

मिलिट्री कॉलेज की सुरक्षा में सेंध

वेश बदलकर घुसे 4 लोग हिरासत में चुपके से खींच रहे थे तस्वीरें, जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ सिकंदराबाद

हैदराबाद के सिकंदराबाद के मिलिट्री कॉलेज की सुरक्षा भंग करने के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन चारों की पहचान राकेश कुमार नरेश राय, आशीष कुमार, आलिया अब्बशी और नगमा बानो महमूद के रूप में की गई है।

19 जून को दोपहर 1 बजे के आसपास, चार नागरिक, जिनमें से एक विंग कमांडर रजत कुमार मिश्रा नाम से वायुसेना अधिकारी का छद्मवेश धारण किए हुए था, तीन अन्य (एक पुरुष और दो महिला) के साथ बिना अनुमति के मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मेकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई), सिकंदराबाद के एमआई टेक्नो चौक गेट में घुस गया। इन्हें प्रवेश पाने के लिए एक नकली पहचान पत्र दिखाते हुए पाया गया। जब वे सड़क पर सीएसडी कैंटीन और

सैनिक स्मारक सहित संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों की तस्वीरें खींच रहे थे और वीडियो बना रहे थे, तब एमसीईएमई के जुबली गेट पर संतरियों ने इन्हें रोका और चेक किया। संतरियों ने तुरंत एमसीईएमई कंट्रोल को सतर्क किया और व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया।

हिरासत में लिए गए चार लोगों की पहचान राकेश कुमार नरेश राय, आशीष कुमार, आलिया अब्बशी और नगमा बानो महमूद के रूप में हुई है। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है।

ऑपरेशन सिंधु 290 भारतीयों को लेकर वापस लौटी तीसरी स्पेशल फ्लाइट

- यात्रियों ने लगाए 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे

ईरान से आज शनिवार को 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत तीसरी फ्लाइट नई दिल्ली पहुंची, जिसमें 290 भारतीय सवार थे। इनमें 190 जम्मू कश्मीर के लोग थे। सभी अपने देश वापस लौटकर बहुत खुश हैं। सभी यात्रियों ने 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के साथ भारत सरकार का आभार जताया। विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी और ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने समाचार एजेंसी 'आईएएनएस' से कहा, "विदेश में भारतीय नागरिकों की सेफ्टी, सिक्योरिटी और वेलफेयर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में दो दिन पहले 'ऑपरेशन सिंधु' की शुरुआत की गई थी। इस फ्लाइट में तेहरान से 290 यात्री लौटे हैं। हम ईरान की सरकार के साथ-साथ आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने हमारे नागरिकों को विशेष फ्लाइट्स के जरिए ईरान से आने-जाने में सुविधा प्रदान की।"

उन्होंने आगे कहा, "अभी जो फ्लाइट लैंड की है, इसमें 290 यात्री थे। इनमें 190 जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से थे। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक राज्यों से भी लोग थे। इसलिए उनकी मुस्कान ही हम सभी के लिए सबसे बड़ा इनाम थी।" अरुण कुमार चटर्जी ने आगे बताया, "ऑपरेशन सिंधु के तहत इजरायल में मौजूद भारतीय नागरिकों को वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के लिए कहा गया है। इसलिए एक बार जब नागरिक वहां रजिस्ट्रेशन करा लेंगे, तो हम उनके लिए स्पेशल इवैक्युएशन फ्लाइट की व्यवस्था करेंगे, जिसके लिए विभिन्न एयरलाइन्स के साथ काम किया जा रहा है। 'ऑपरेशन सिंधु' अभी शुरू हुआ है। इसे अभी दो दिन ही हुए हैं। आज तीसरा दिन है, इसलिए निश्चिंत रहें। कई फ्लाइट्स आएंगी और इन देशों से हमारे नागरिकों को वापस लाएंगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी सलामती के साथ-साथ उनकी भलाई का भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ध्यान रखा जाए।"

अपने वतन वापस लौटीं एलिया वतूल ने 'आईएएनएस' से कहा, "ईरान में हमें भारत सरकार की ओर से फाइव स्टार होटल मिला। एक डर था। हमें पता नहीं था कि अगले पल क्या हो जाएगा, लेकिन हमें पता था कि भारत सरकार को हमारी फिक्र है। हमें पता था कि हम सही सलामत अपने देश आएंगे।" भारत लौटे मौलाना सैय्यद मोहम्मद सईद ने बताया, "ईरान में जंग के हालात हैं, लेकिन वहां के लोगों ने भी काफी सहयोग किया। हमारे दूतावास और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहुत सपोर्ट किया है। दूतावास ने हमें तुरंत सेफ जोन में पहुंचाया और हमारे लिए फ्लाइट उपलब्ध करवाई। हमें नहीं पता कि हम अपने प्रधानमंत्री का किस तरह शुक्रिया अदा करें। हम बहुत शुक्रगुजार हैं।" भारत लौटे एक अन्य नागरिक ने बताया, "हमारी 13 जून की शाम की फ्लाइट थी, लेकिन सुबह हालात खराब हो गए। इसके बाद भारतीय सरकार ने बेहतरीन इंतजाम किए। हमारे लिए बेहतरीन होटल उपलब्ध करवाया, रहने-खाने का इंतजाम करवाया और हमें सुरक्षित अपने देश वापस पहुंचाया। हम इसके लिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री के शुक्रगुजार हैं। फिलहाल जो भारतीय ईरान में फंसे हुए हैं, उनको भी भारत वापस लाने की तैयारी चल रही है। गौरतलब है कि ईरान और इजरायल के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में भारत सरकार ने फैसला किया है कि इजरायल में फंसे लोगों को भी बहुत जल्द भारत वापस लेकर आएगी।

महारत्न कंपनी एचएएल को मिली बड़ी कामयाबी

इसरो से मिली एसएसएलवी बनाने की पूरी टेक्नोलॉजी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

भारत में डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर की बड़ी सार्वजनिक कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) बनाने की 511 करोड़ रुपए की बोली जीत ली है। इसी के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने एसएसएलवी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हासिल कर लिया है। स्पेस रेगुलेटर-कम प्रमोटर, इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अथॉराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी स्पेस एजेंसी ने किसी कंपनी को कम्प्लीट लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की है। एचएएल के पास अब स्वतंत्र रूप से एसएसएलवी लॉन्च बनाने, इस पर मालिकाना हक रखने और कमर्शियलाइज करने की क्षमता होगी। गोयनका ने इस डील को भारत की महत्वाकांक्षी 44 बिलियन डॉलर की स्पेस इकोनॉमी के लिए महत्वपूर्ण बताया। बता दें कि भारत का लक्ष्य 2022 में 8.4 बिलियन डॉलर की अपनी स्पेस इकोनॉमी को साल 2033 तक बढ़ाकर 44 बिलियन डॉलर करना है।

नौ में से पहले छह कंपनियां शॉर्टलिस्ट की गई

इन-स्पेस के निदेशक-तकनीकी राजीव ज्योति ने कहा कि इन-स्पेस ने दो चरणों में चयन प्रक्रिया की। पहले चरण में नौ उद्योगों में से छह को शॉर्टलिस्ट किया गया। दूसरे चरण में, छह में से तीन की तकनीकी-वाणिज्यिक बोलियों की एक समिति द्वारा समीक्षा की गई। अंत में एचएएल को चुना गया। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने कहा कि सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. विजया राघवन की अध्यक्षता वाली समिति और इसरो के पूर्व निदेशक सुरेश की सह-अध्यक्षता वाली समिति ने सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद पाया कि तीनों बोली लगाने वाले तकनीकी रूप से योग्य हैं। गोयनका ने कहा कि फिर हमने वाणिज्यिक बोलियां खोलीं, जिसमें एचएएल की 511 करोड़ रुपए की बोली सबसे ऊंची रही।

अपनी तरह का पहला तकनीकी हस्तांतरण

डॉ. गोयनका ने बताया कि एचएएल ने इसरो के स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) के लिए 511 करोड़ रुपए में तकनीक हस्तांतरण हासिल किया है। यह अपनी तरह का पहला टीओटी है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) के मामले में, इस तरह से निर्माण का ठेका एक कंसोर्टियम को दिया गया था। लेकिन, एसएसएलवी के मामले में, लॉन्च वाहन बनाने का काम पूरी तरह से एचएएल को दिया जा रहा है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने योगाभ्यास किया, बोले- योग के जरिए भारत ने दुनिया को दिखाया कल्याण का रास्ता

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आज शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि योग सिर्फ एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मिक और मानसिक विकास का रास्ता है, जिससे भारत ने दुनिया को शांति और कल्याण की दिशा दिखाई है।

सीएम योगी ने कहा, "शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना किसी भी लक्ष्य को पाने की पहली शर्त है। योग हमें न केवल शरीर से, बल्कि मन और आत्मा से भी मजबूत बनाता है।" उन्होंने इसे भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ बताया, जिसे वेदों और पुराणों ने जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले आत्म कल्याण और फिर लोक कल्याण के रास्ते से पूरी दुनिया के कल्याण की राह प्रशस्त की है।

इस मौके पर देशभर में कई प्रमुख नेता और अधिकारी भी योग दिवस पर योगाभ्यास करते नजर आए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में विभिन्न देशों के राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधियों के साथ योगाभ्यास किया। दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट

जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने सैनिकों के साथ योग किया। बड़ी संख्या में सैन्यकर्मी इस आयोजन में शामिल हुए। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने योग दिवस की 11वीं वर्षगांठ पर योग के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में योग को लेकर जागरूकता बहुत बढ़ी है। उन्होंने बताया, "योग सिर्फ फिजिकल ट्रेनिंग नहीं है, यह मानसिक अभ्यास भी है। यह हमारे आत्मचेतना को जगाने का माध्यम है।"

योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस साल आयुष मंत्रालय ने 10 प्रमुख सिग्नेचर इवेंट्स शुरू किए हैं। इनमें 'योग संगम', 'हरित योग', 'योगा बंधन', 'योगा अनप्लग्ड', 'योगा महाकुंभ' और 'संगयोग' जैसे आयोजन शामिल हैं। इनका उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक योग की उपयोगिता और लाभों को पहुंचाना है।

अटारी-वाघा बॉर्डर पर बीएसएफ ने भव्य योग सत्र का किया आयोजन

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने आज शनिवार को अटारी-वाघा बॉर्डर पर एक भव्य योग सत्र का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम थी "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग", जिसे केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय की "योग संगम" पहल के तहत पूरे देश में मनाया गया। इस आयोजन में 1,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें BSF जवान, भारतीय सेना के सैनिक, उनके परिवार, सीमा क्षेत्र के स्थानीय निवासी, छात्र, और अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल थे। योग सत्र जॉइंट चेक पोस्ट (JCP) अटारी पर हुआ, जो भारत की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है और प्रतीकात्मक रूप से एकता और शांति का संदेश देता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,